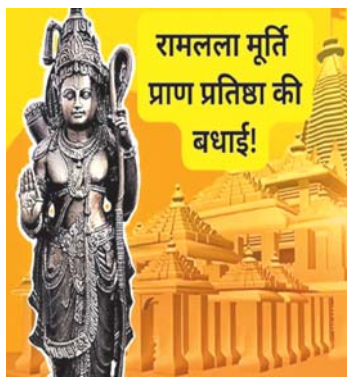

दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 175/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 22 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

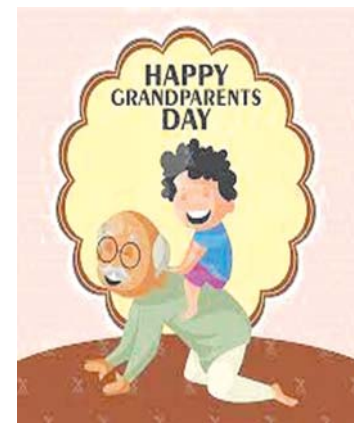

सांध्यप्रकाश विशेष

रक्षा मंत्रालय का बड़ा निर्णय: भारतीय सेना को मिलेगा 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक, 1,561 करोड़ रुपये का अनुबंध

नई दिल्ली। भारतीय सेना की ताकत को और मजबूत करने के उद्देश्य से रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। 21 जनवरी को रक्षा मंत्रालय ने आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की हैवी व्हीकल्स फैक्ट्री के साथ 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंकों के निर्माण के लिए 1,561 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। यह अनुबंध रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दिल्ली में औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित किया गया। टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्सेस के लिए एक अहम उपकरण है। यह टैंक युद्धक्षेत्र में त्वरित और सुरक्षित तरीके से पुलों को लॉन्च करने की क्षमता प्रदान करता है, जिससे सेना की आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह की अभियानों में गतिशीलता बढ़ती है। इस टैंक के जरिए भारतीय सेना की युद्धक्षेत्र में कार्यकुशलता और ताकत में उल्लेखनीय सुधार होगा।

मेक-इन-इंडिया और रोजगार सृजन- यह अनुबंध 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बढ़ावा देने के लिए किया गया है, जिससे स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इस परियोजना से देश में रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे, जो आर्थिक विकास में योगदान करेंगे। आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम- टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक का निर्माण भारतीय तकनीक और कौशल के साथ किया जाएगा, जो देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को भी पूरा करेगा। यह कदम भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जो युद्धक्षेत्र में भारतीय सेना को और भी अधिक सक्षम बनाएगा।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर रूस के कैडेट्स का भारत दौरा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर रूस के किज़ील प्रेसिडेंशियल कैडेट स्कूल के 10 छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल भारत पहुंचा। इस अंतरराष्ट्रीय बैठक में 18 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिसमें रूस के छात्रों ने विशेष रूप से भागीदारी की है। इस दौरे के दौरान कैडेट्स के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है, जिसमें शामिल हैं- भारत के रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें। दिल्ली और आगरा के प्रमुख दर्शनीय स्थलों जैसे ताजमहल का भ्रमण, संग्रहालयों का दौरा, योग सत्रों में भागीदारी। यह दौरा 30 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम के दौरान, कैडेट्स को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराया जाएगा। पहली यात्रा का इतिहास इस तरह की पहली यात्रा जनवरी 2023 में हुई थी, जब भारतीय नेशनल कैडेट कॉर्प्स के छात्रों ने रूस का दौरा किया था। यह आयोजन भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और युवा पीढ़ी के बीच आपसी समझ बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह दौरा दोनों देशों के सांस्कृतिक और रक्षा संबंधों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

होटल अग्निकांड में बढ़ा मौत का आंकड़ा, अब तक 66 लोग मरे और 51 लोग झुलसे; तड़के सुबह लगी थी आग

उत्तर पश्चिमी तुर्किये के एक स्की रिसोर्ट होटल में तड़के सुबह 3.30 बजे हुए अग्निकांड में मौतों का आकंड़ा बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक, इसमें अब तक 66 लोगों की मौत हो गई, जबकि 51 लोग झुलस गए। गवर्नर अब्दुलअजीज आयदीन ने बताया कि दो पीड़ितों की मौत घबराहट में इमारत से बाहर कूदने के चलते हुई। घटना के दौरान होटल में कुल 234 मेहमान ठहरे हुए थे। तुर्किये के गृह मंत्री ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी तुर्की के एक लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट में एक होटल में मंगलवार को आग लगने से कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। अली येरलिकाया ने आगे बताया कि इस आपदा में कम से कम 51 अन्य लोग घायल हुए हैं। गृह मंत्री येरलिकाया ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा, इस घटना से हम बहुत दुखी हैं। स्वास्थ्य मंत्री केमल मेमिसोग्लू ने बताया कि घायलों में से कम से कम एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों और रिपोर्टों के अनुसार, बोलू प्रांत के कार्तलकाया रिसॉर्ट में 12 मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तरां में सुबह करीब 3ः30 बजे आग लग गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

1993 बैच के आईएएस अधिकारी प्रसाद का वीआरएस केंद्र सरकार ने किया मंजूर

नई दिल्ली। पंजाब कैडर के सबसे वरिष्ठ नौकरशाहों में से एक के शिव प्रसाद को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी गई है। 1993 बैच के आईएएस अधिकारी प्रसाद का इस्तीफा भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने स्वीकार कर लिया है। शिव प्रसाद की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की याचिका पंजाब सरकार ने स्वीकार कर ली थी और उनकी फाइल स्वीकृति के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेज दी गई थी। अब जबकि केंद्र ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है, तो उन्हें राज्य सरकार द्वारा कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। शिव प्रसाद वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन्हें रिटायरमेंट से रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रसाद अपनी बात पर अड़े हुए हैं। वैसे, प्रसाद को 2030 में रिटायर होना था। लेकिन, यह पहली बार नहीं है कि प्रसाद ने समय से पहले रिटायरमेंट मांगा है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के कार्यकाल में भी इस्तीफा दे दिया था, लेकिन बाद में सीएम के कहने पर उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार किया था।

1994 बैच के आईएएस दिनेश टी वाघमारे महाराष्ट्र के राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त

मुंबई। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1994 बैच के वरिष्ठ आईएएस दिनेश वाघमारे को महाराष्ट्र सरकार ने नया राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया है। यूपीएस मदान के पिछले साल सेवानिवृत्त होने के बाद से स्थ्रष्ट का पद खाली पड़ा था। वर्तमान में वाघमारे अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा के पद पर कार्यरत हैं। वाघमारे इस साल जून में सेवानिवृत्त होने वाले थे। अब वे अपने वर्तमान पद से इस्तीफा देकर पांच साल के लिए राज्य चुनाव आयुक्त के पद पर काम करेंगे। राज्य चुनाव आयोग नगर निगमों, परिषदों और जिला निकायों जैसे जिला परिषदों और ग्राम पंचायतों के चुनाव कराता है। इनमें से अधिकांश स्थानीय निकायों के लिए इस साल चुनाव होने की उम्मीद है और सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन अगले कुछ महीनों के भीतर चुनाव कराने के लिए उत्सुक दिखाई देता है।

1991 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीएम के एसीएस अतीक को मिला 1 साल का सेवा विस्तार

बेंगलुरू। कर्नाटक सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए वरिष्ठ ष्ठ्रस् अधिकारी लूथफुल्ला खान अतीक को अनुबंध के आधार पर सेवा विस्तार दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खास माने जाने वाले 1991 बैच के इस अधिकारी को इस महीने उनकी सेवानिवृत्ति से ठीक पहले सेवा विस्तार दिया गया है। अतीक 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन अब वे अनुबंध के आधार पर सीएम के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर बने रहेंगे।

हार के डर से आपदा वाले घोषणाएं कर रहे: मोदी

भाजपा कार्यकर्ताओं से बोले पीएम: वे कहते हैं फिर आएंगे, जनता कहती है फिर खाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ताओं से कहा- दिल्ली की जनता आपदा का का खेल जान गई है। उनकी पोल खुल गई है। भाजपा की जीत पक्की करने के लिए दिल्ली की जनता निकल पड़ी है। हार के डर से आपदा वाले रोज-रोज नई-नई घोषणा करते हैं। वे नारे लगाते हुए कहते हैं कि फिर आएंगे, फिर आएंगे, लेकिन जनता कहती है कि फिर खाएंगे, फिर खाएंगे।

उन्होंने नमो ऐप के जरिए कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कह- 5 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को पोलिंग बूथ तक पहुंचाना है। ठंड कितनी भी हो, हमें सुबह से ही मतदान की तीव्रता को पहुंचाना है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी ने संकट में डाला हुआ है। दिल्ली को आपदा से मुक्त कराना है। ऐसा होगा, तभी दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का संकल्प सिद्ध होगा।

मोदी ने कहा कि आप भी जानते हैं कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। बीते 10 वर्षों में गरीब से गरीब को भी पक्का घर,मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं पहली बार मिली। झुग्गी में रहने वाले साथियों को भाजपा सरकार बड़ी संख्या में पक्के घर दे रही है। आप टीम लीडर हैं, मेहनती हैं तो जरूर लोगों से बातचीत होती होगी। क्या अनुभव रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली वाले आप वालों की आप-दा और उनके झूठ और फरेब से अब ऊब चुके हैं। पहले कांग्रेस ने और फिर क्कवालों की आप-दा ने दिल्ली के लोगों से बहुत विश्वासघात किया है। ये आप-दा वाले अब हर दिन एक नई घोषणा कर रहे हैं। इसका मतलब है कि उनको रोज पराजय की नई-नई खबरें मिल रही हैं। ये इतने डरे हुए हैं कि इन्हें रोज सुबह एक नई घोषणा करनी पड़ रही है। लेकिन अब दिल्ली की जनता इनका खेल समझ गई है।प्रधानमंत्री ने अरविंद केजरीवाल के नारे पर तंज कसते हुए कहा, कहते हैं फिर आएंगे फिर आएंगे, लोग कह रहे हैं कि फिर खाएंगे- फिर खाएंगे। उनकी आवाज आते ही जनता से आवाज आती है, फिर खाएंगे- फिर खाएंगे। हमारे बूथ के हर कार्यकर्ता के पास आपदा वालों की पूरी पोल पट्टी पहले से है। पहले इनकी पोल खोलें और फिर अपनी उपलब्धियां बताएं। एक एक घर में बैठकर समझाइए कि हम क्या करने वाले हैं। झुग्गी वालों से इन्होंने क्या कहा था। कहा था कि मकान बनाएंगे, लेकिन देखा भी नहीं। अब फिर कहने लगे कि मकान बनाएंगे। तुम्हें 10 साल में कभी फुर्सत नहीं मिली। आज नई बातें कर रहे हो। हमने जो घर बनवाएं हैं गरीबों के लिए उनकी तस्वीरें जनता को दिखाइए।

सीएम डॉ. यादव आज पुणे में करेंगे निवेशकों और उद्योगपतियों से संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। राज्य में निवेश की संभावनाओं को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए 22 जनवरी को पुणे में इंटरेक्टिव सेशन का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस सत्र में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों, निवेशकों के साथ सीधा संवाद करेंगे। राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण पर चर्चा होगी। यह सत्र पुणे के होटल रिट्ज़ कार्लटन में होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश-अनुकूल नीतियों, उत्कृष्ट बुनियादी ढाँचे और कुशल मानव संसाधन के माध्यम से निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। अब तक राज्य को 4 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए यह सत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इससे पहले मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, और कोयंबटूर में इंटरेक्टिव सेशन आयोजित किए जा चुके हैं, जो निवेशकों के साथ मजबूत संवाद स्थापित करने में सफल रहे हैं। यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 24 और 25 फरवरी में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों का हिस्सा है। देश-विदेश के निवेशकों में काफ़ी उत्साह है। मध्यप्रदेश, अपने प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक स्थलों और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे के साथ, निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

पुणे में इंटरेक्टिव सेशन में उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन श्री संजय किर्लोस्कर विशेष अतिथि होंगे, जबकि पिनेकल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन श्री सुधीर मेहता नेटवर्किंग डिनर की मेजबानी करेंगे। फोर्स मोटर्स के चेयरमैन डॉ. अभय फिरोदिया और ब्रिजस्टोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हिरोशी योशिजाना भी इस सत्र में अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे।

सत्र में मध्यप्रदेश में फिनटेक, आईटी, आईटीईएस, एग्रीटेक, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मा, स्वास्थ्य सेवाओं, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग और एमएसएमई राघवेन्द्र कुमार सिंह एडवांटेज एमपी और राज्य में निवेश के अवसरों पर प्रकाश डालेंगे। एडिशनल मैनेजिंग डायरेक्टर पर्यटन विभाग बिदिशा मुखर्जी पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के अवसरों की जानकारियां देंगीद्य अतिरिक्त मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संजय दुबे आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम सेक्टर में निवेशकों को राज्य की नीतियों और परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी देंगे। मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक चंद्रमौली शुक्ला, वाईस चेयरमैन, सीआईआई पुणे एवं कार्यकारी निदेशक, आरएसबी ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड रजनीकांत बेहरा शामिल रहेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेनाओं के प्रमुख ने देखी स्काई फोर्स

नई दिल्ली। अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म स्काई फोर्स की स्क्रीनिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। इस स्क्रीनिंग की कुछ तस्वीरें उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर साझा की हैं।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया की फिल्म स्काई फोर्स की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। उनके साथ सीडीएस जनरल अनिल चौहान और अन्य अधिकारियों ने भी फिल्म देखी। उन्होंने फिल्म की स्टारकास्ट की भी तस्वीरें अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट में शेयर किया है। स्काई फोर्स 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में निमरत कौर और सारा अली खान भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को लेकर वीर पहाड़िया ने कहा, यह एक बहुत ही गंभीर किरदार है। और मेरी एकमात्र इच्छा है कि यह लक्ष्य फिल्म की तरह काम करे... जब वह फिल्म आई थी, तो इसने 20 साल तक लोगों को सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

महाकुंभ में योगी का ऐलान, 7 जिलों को मिलाकर नया धार्मिक सर्किट बनेगा

प्रयागराज। यूपी में 7 जिलों को मिलाकर नया धार्मिक सर्किट बनेगा। योगी ने महाकुंभ में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद ऐलान किया। कहा- धार्मिक सर्किट में प्रयागराज, काशी, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर और भदोही जिले शामिल होंगे। बैठक के बाद योगी और 54 मंत्री अरैल घाट से स्टीमर के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। रास्ते में साइबेरियन पक्षियों और मछलियों को योगी ने नमकीन खिलाई। थोड़ी देर में संगम में ष्ट्रऔर सभी मंत्री स्नान करेंगे। इधर, मंत्रिपरिषद बैठक पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसा। कहा- कुंभ में मंत्रिपरिषद बैठक करना गलत है। कुंभ वो स्थान नहीं है, जहां पर राजनीतिक कार्यक्रम और फैसले लिए जाएं।

सैफ अली खान के घर पहुंची मुंबई पुलिस, बयान दर्ज करेगी, केस की जांच नए अफसर को सौंपी गई

मुम्बई। हमले के 6 दिन बाद बांद्रा पुलिस सैफ अली खान का बयान दर्ज करने उनके घर पहुंची है। एक्टर मंगलवार को लीलावती से डिस्चार्ज होकर घर आए हैं। मुंबई पुलिस ने आरोपी शरीफुल को 19 जनवरी की देर रात गिरफ्तार किया था। इस केस की जांच अब सुदर्शन गायकवाड़ की जगह अजय लिंगनुरकर को सौंपी गई है। ढ्ढह्र को हटाने की वजह नहीं बताई गई। एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले मामले में मुंबई पुलिस ने मंगलवार की देर रात फिर से क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस आरोपी शरीफुल इस्लाम को सैफ के घर से करीब 500 मीटर दूर ले गई। यहां करीब 5 मिनट रुकने के बाद पुलिस आरोपी को लेकर वापस पुलिस स्टेशन आ गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी बाथरूम की खिड़की से ही सैफ के घर में घुसा था और हमले के बाद यहीं से बाहर भी निकला। सैफ-करीना के बेटे जेह उर्फ जहांगीर के कमरे से आरोपी की टोपी मिली है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी से सड़कें बंद

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में लगातार तीसरे दिन बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के अनुसार हिमाचल के हंसा में 2.5 सेमी, जबकि काजा सहित अन्य इलाकों में भी 5 से 6 सेमी बर्फबारी हुई। यहां बुधवार को भी बर्फबारी की संभावना है। कुकमसेरी में रात का तापमान -5.6 डिग्रीदर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग, जोजिला पास जैसे ऊंचे इलाकों में मंगलवार को हुई बर्फबारी के कारण गुरेज-बांदीपुरा रोड, सेमथान-किश्तवाड़, मुगल रोड बंद हो गए। यहां बर्फ हटाने का काम जारी है। एमपी-यूपी समेत 12 राज्यों में कोहरे का अलर्ट है। यूपी के 40 जिलों में घना कोहरा भी देखने को मिला है। विजिबिलिटी 100 मीटर तक घट गई। सर्द हवाओं के कारण यहां ठंड का असर भी बना हुआ है। फतेहपुर राज्य में सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा कि मध्य प्रदेश में हवा का रुख बदलने से दिन में तापमान बढ़ रहा है, लेकिन रात में ठंड का असर बरकरार है। भोपाल, मंडला, पचमढ़ी, राजगढ़, उमरिया, नौगांव जैसे शहरों में पारा 10ए से नीचे ही चल रहा है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल में हल्की बारिश हो सकती है।

केजरीवाल बोले- मिडिल क्लास टैक्स टेररिज्म का शिकार

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और ्नक्क संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को मिडिल क्लास के लिए मैनिफेस्टो जारी किया। उन्होंने कहा- केंद्र में एक सरकार के बाद दूसरी सरकार आई, सबने मिडिल क्लास को डराकर दबाकर रखा हुआ है। मिडिल क्लास के लिए ये कुछ नहीं करते। केजरीवाल ने कहा- जब सरकार को इनकी जरूरत पड़ती है, तो सरकार टैक्स का हथियार चला देती है। बदले में मिडिल क्लास को क्या मिलता है, कुछ नहीं। मिडिल क्लास सरकार का ्नञ्जरूबनकर रह गया है। मिडिल क्लास टैक्स टेररिज्म का शिकार हो गया है। केजरीवाल ने कहा- आज मैं ऐलान करता हूं कि मैं और आम आदमी पार्टी सड़क से लेकर संसद तक मिडिल क्लास की आवाज उठाएंगे।

एआई पर ट्रंप सरकार का बड़ा ऐलान, 500 अरब डॉलर का होगा निवेश

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई कंपनी के जरिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के बुनियादी ढांचे में 500 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। इसकी योजना ओरेकल, सॉफ्टबैंक और ओपन एआई के साथ साझेदारी में बनाई जा रही है। माना जा रहै कि यह आईटी क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी परियोजना होगी।

स्टारगेट' नामक यह उद्यम, अमेरिकी डेटा केंद्रों में प्रौद्योगिकी कंपनियों के महत्वपूर्ण निवेश का प्रतीक होगा। तीनों कंपनियों ने इस उद्यम के लिए वित्तीय मदद करने की योजना बनाई है। अन्य निवेशक भी इसमें निवेश कर पाएंगे। इसकी शुरुआत टेक्सास में बन रहे 10 डेटा केंद्रों से होगी।

ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में ओरेकल के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी लैरी एलिसन, सॉफ्टबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मासायोशी सोन और ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के साथ इसकी घोषणा की।

एक लाख से अधिक लोगों को मिलेगी नौकरी

राष्ट्रपति ने कहा, ''उस नाम को अपनी पुस्तकों में लिख लें क्योंकि मुझे लगता है कि आप भविष्य में इसके बारे में बहुत कुछ सुनने वाले हैं। एक नई अमेरिकी कंपनी जो अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे में 500 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी और बेहद तेजी से आगे बढ़ेगी और इससे तुरंत 1,00,000 से अधिक अमेरिकी नौकरियों का सृजन होगा।''

महाकुंभ में योगी का ऐलान, 7 जिलों को मिलाकर नया धार्मिक सर्किट बनेगा

प्रयागराज। यूपी में 7 जिलों को मिलाकर नया धार्मिक सर्किट बनेगा। योगी ने महाकुंभ में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद ऐलान किया। कहा- धार्मिक सर्किट में प्रयागराज, काशी, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर और भदोही जिले शामिल होंगे।

बैठक के बाद योगी और 54 मंत्री अरैल घाट से स्टीमर के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। रास्ते में साइबेरियन पक्षियों और मछलियों को योगी ने नमकीन खिलाई। थोड़ी देर में संगम में ष्ट्रऔर सभी मंत्री स्नान करेंगे। इधर, मंत्रिपरिषद बैठक पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसा। कहा- कुंभ में मंत्रिपरिषद बैठक करना गलत है। कुंभ वो स्थान नहीं है, जहां पर राजनीतिक कार्यक्रम और फैसले लिए जाएं।

भूमि स्वामी अधिकार पत्र देकर बनाया मालिक: मंत्री कृष्णा गौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर ने कहा कि नगरीय क्षेत्र के रहवासियों को भूमि स्वामी अधिकार-पत्र देने की धारणाधिकार योजना से नागरिक भूमि के मालिक बन गये हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले निवासरत नागरिकों का सर्वे किया गया था। सर्वे के आधार पर ऐसे रहवासी, जो 2014 के पूर्व जहां रह रहे थे, वहां उन्हें भूमि स्वामी का अधिकार-पत्र दिया गया है। निवास कार्यालय पर राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने खजूरी कला बरखेड़ा पठानी आदि बस्तियों के 61 रहवासियों को भूमि स्वामी अधिकार-पत्र वितरित किये। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जिन रहवासियों को भूमि स्वामी अधिकार-पत्र दिये गये हैं। इससे वे अपना आवास बनाने के लिये बैंक से ऋण ले सकते हैं। अपने घर का बिजली-पानी कनेक्शन आदि भी ले सकतें हैं। उन्हें अब किसी के द्वारा हटाये जाने का डर नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शहरी क्षेत्र के रहवासियों को यह सौगात दी गई है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि इस योजना में अब संशोधन कर 2019 तक के रहवासियों को भी शामिल किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र में जो व्यक्ति 2019 तक जहां निवास कर रहा था, वहां का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के बाद उन्हें भी भूमि स्वामी अधिकार-पत्र प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर सुरेन्द्र वाटिका, वी.शक्ति राव, नीरज सिंह, मधु सिबनानी, एसडीएम एमपी नगर एल.के. खरे, तहसीलदार एमपी नगर आलोक पारे, नायब तहसीलदार शिवांगी खरे और भू-स्वामी अधिकार-पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राही उपस्थित रहे।

रामानन्दः स्वयं रामो प्रदुर्भूतो महितले

भोपाल। जगद्गुरु श्री स्वामी रामानन्दाचार्य की जयंती एंव गुफा मंदिर धाम के द्वितीय मंहत, 1008 श्री मंहत नरहरी दास त्यागी जी की पुण्यतिथी पर आज रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर में प्रातः श्री हनुमान जी महाराज का सहस्त्रधारा अभिषेक पंडित लेखराज शर्मा के आचार्यत्व 11 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा हुआ तथा शाम को संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ, एंव भजन संस्कृत पाठशाला के समस्त छात्र, आचार्य एंव संतजन और शिष्यगणों ने मिलकर पाठ एंव किया जो देर रात्रि तक चला। जिसमें पं सोनू शर्मा, नीलमणि दुबे, मनोज शर्मा, देवेन्द्र शर्मा आदि ने पूजन किया और समापन पर प्रसादी वितरण की ।
पंडित लेखराज शर्मा गुफा मंदिर धाम भोपाल

नुक्कड़ वाली माता मंदिर में पुर्णाहुति के बाद अखंड रामचरित मानस का पाठ शुरू

संत हिरदाराम नगर। सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर 17 जनवरी से 23 जनवरी तक श्री हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन चल रहा है। आयोजन के पांचवे दिन वेदाचार्य पंडित अनिल रूद्र महाराज, कार्यक्रम के ब्रम्हा हरिशंकर तिवारी, उज्जैन महाकाल से आचार्य चेतन्य स्वरूप महाराज, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित जीवन प्रसाद तिवारी, पंडित दीपक मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार से आवाहित देवता पूजन, श्री हनुमंत आचार्य सहस्त्र पदार्थो द्वारा महाआहूति सम्पन्न करवाई। पुर्णाहुति के बाद अखंड रामचरित मानस का पाठक कथा व्यास राम मोहन शास्त्री के सानिध्य में प्रारंभ किया गया। मुख्य रूप से यजमान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विष्णु विश्वकर्मा ने कार्यक्रम के समस्त आचार्यो को तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 22 जनवरी को विशाल भण्डारा और 23 जनवरी को कीर्तन के बाद आयोजन का समापन किया जाएगा।

नई दिल्ली गणतंत्र दिवस समारोह के लिए बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के प्रज्ञेश, सुहानी एवं प्रियांशु का चयन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत के संविधान को अपनाने और देश के गणतंत्र में परिवर्तन के प्रतीक के रूप में प्रत्येक वर्ष की तरह 26 जनवरी 2025, कर्तव्य पथ दिल्ली थीम स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास में शानदार सैन्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें भव्य परेड के साथ इस उत्सव की शुरुआत कर कर्तव्य पथ पर औपचारिक परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम विषय- जयति जयति मम भारतम, भारत के राज्यों द्वारा सुंदर झांकी बनाकर भारत, इसकी विविधता में एकता और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को श्रद्धांजलि के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। मध्यप्रदेश के विविध नैसर्गिक सुंदरता, कला एवं संस्कृती को प्रदर्शित करते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक प्रज्ञेश राय, सुहानी लोधी एवं प्रियांशु बघेल गणतंत्र दिवस समारोह में बहुआयामी संस्कृती का प्रदर्शन करेंगे। 5 हजार कलाकारों की सहभागीता से भारत के 29 लोक एवं 22 आदिवासी नृत्य होंगे जो कीवर्ल्ड रिकॉर्ड का भी एक प्रयास होगा जिसमें मध्यप्रदेश की ओर से प्रज्ञेश, सुहानी एवं प्रियांशु द्वारा बधाई नृत्य की प्रस्तुती देते हुए मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करेंगे जो हम सभी के लिए बहुत खुशी का विषय है। तीनों स्वयंसेवकों को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने माँ भारती की स्वाधीनता के लिए 19 वर्ष की अल्पायु में अपने प्राणों की आहुति देने वाले क्रांतिकारी अमर बलिदानी श्रद्धेय हेमू कालाणी जी के बलिदान दिवस पर ग्वालियर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

जागरूकता के लिए सुशील कुमार जैन की अनोखी पहल

भोपाल। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट भोपाल के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने आज कहा कि जैसा कि सर्वविदित है, कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील व भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रति जागरूक है। इस ही सन्दर्भ में भ्रष्टाचारियों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए लोकायुक्त पुलिस ने मुहिम तेज करने की योजना बनाई है। लोकायुक्त मुख्यालय की ओर से जनता के लिए केंद्रीयकृत दो हेल्पलाइन नंबर 9407293446 एवं 0755 2540889 जारी किए हैं। इन नंबर पर संपर्क कर लोकायुक्त विभाग द्वारा भ्रष्टाचारी को ट्रैप करवाने का तरीका, सावधानी, संबंधित अधिकारी से संपर्क सहित अन्य जानकारी दी जाएगी। सुशील कुमार जैन द्वारा जन जागृति हेतु हाथी के साथ लोकायुक्त मुख्यालय द्वारा जनता के लिए जारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध केंद्रीयकृत हेल्पलाइन नंबरो का प्रचार किया।

शिखर धवन और ओरी ने एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया

मुंबई । हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है। इस अभियान में मशहूर क्रिकेटर शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओर्री को एक मजेदार अभियान के लिए साथ लाया गया। अभियान पर अपने विचार साझा करते हुए, अरुणा दरयानानी, हेड - मार्केटिंग, प्रोडक्ट और टेक, अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने कहा, हमारा नवीनतम अभियान सभी भारतीयों को मुफ्त में प्रीमियम गुणवत्ता वाला कंटेंट उपलब्ध कराने के अमेज़न एमएक्स प्लेयर के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। क्रिकेट आइकन शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओर्री को साथ लाकर, हमारा उद्देश्य हमारी विशाल कंटेंट लाइब्रेरी को उजागर करना है।

वसंत पंचमी पर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा में 3 फरवरी को होगा वसंत उत्सव का आयोजन

भोपाल। हर वर्ष की तरह इस बार भी दक्षिण-पश्चिम विधानसभा में वसंत उत्सव का आयोजन 3 फरवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर बड़े ही धूमधाम से किया जाएगा। आज इस आयोजन की तैयारियों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने की। बैठक में बताया गया कि वसंत उत्सव की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के नेता गोविंद कहारे ने अपने उद्बोधन में वसंत पंचमी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व समझाते हुए कहा माना जाता है कि वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती का जन्म हुआ था। इस दिन वह श्वेत कमल पर विराजमान होकर, हाथों में पुस्तक, वीणा और माला धारण किए प्रकट हुई थीं। इस दिन से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। शास्त्रों के अनुसार, वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार इस भव्य रूप से आयोजित करने पर सहमति जताई गई। इस अवसर पर मनोज जाट, रामदयाल प्रजापति, जीवन मरण, अजय सहित भारतीय जनता पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भज गोविंदम का आदित्य उत्सव 2025 में अनावरण

भोपाल। बिड़ला समूह के संस्थापक स्वर्गीय बसंत कुमार बिड़ला की स्मृति में आयोजित आदित्य उत्सव 2025 इस ,समारोह में आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला और नितिन मुकेश के हाथों आदि शंकराचार्य द्वारा रचित भज गोविंदम इस भक्तिमय संगीत रचना का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में स्थित संगीत कला मंदिर में किया गया था। इस कार्यक्रम में पद्मश्री अनुराधा पौडवाल, कविता पौडवाल एवं समूह ने आदि शंकराचार्य निर्मित भक्ति काव्य रचनाएं प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि आदित्य बिड़ला समूह की ओर से आदि शंकराचार्य के इस भक्ति काव्य के अनावरण और उसके बारे में जागरूकता पैदा करने की इस नेक पहल का हिस्सा बनकर हमें बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि पद्मश्री अनुराधा पौडवाल की मधुर आवाज में भक्ति रचनाओं की मनमोहक प्रस्तुति हर किसी को इन भक्ति रचनाओं को समझने में सक्षम बनाती है। यह भक्ति रचनाओं की प्रस्तुति से परे एक पहल है, जिसे देश और हमारी सबसे बड़ी आध्यात्मिक निधि के रूप में समर्थन देने पर हमें गर्व है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को किया जागरूक

भोपाल। शा. कला एवं वाणिज्य नवीन महाविद्यालय शासकीय मोतिलाल विज्ञान महाविद्यालय एवं आनंद विहार कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा यातायात जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा अभियान का कार्यक्रम अयोजित किया गया। इकाइयों द्वारा रोशनपुरा चौराहे पर रैली के माध्यम से यातायात के नियमों का पालन करने हेतु नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाई एवं हेलमेट धारको को बैज लगाकर सम्मानित किया एवं सिग्नल होने पर लघु नाट्य द्वारा उन्हें जीवन रक्षा हेतु हेलमेट का उपयोग करने का संदेश दिया, साथ ही नारे के साथ यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवकों द्वारा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, दुर्घटना से देर भली आदि नारे लगाए गए। तत्पश्चात बरकतउल्ला विश्वविद्यालय मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी एवं ई. टी. आई. प्रशिक्षक श्रीमान राहुल सिंह परिहार जी की उपस्थिति में सभी स्वयंसेवकों ने यातायात नियमों के निर्वाह करने की शपथ ली। यह कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कृष्णा सिंह मैडम के मार्गदर्शन में वरिष्ठ स्वयंसेविका प्रियंका समुद्रे एवं नवीन महाविद्यालय से स्वयंसेवक शुभी त्रिपाठी, दीक्षा मेवाडा, लक्ष्य पाठक, साक्षी सिंह एवं एम.वी.एम महाविद्यालय से अभिषेक लोवंशी, दीपक गोल्हानी, स्नेहा विश्वकर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। जिसमे कुल 80 स्वयंसेवकों ने सहभागिता करी।

बादाम के 8 छुपे हुए सेहतमंद फायदे

भोपाल। हर साल 23 जनवरी को नेशनल आमंड डे मनाया जाता है, जो बादाम खाने के फायदों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का दिन है। हम में से अधिकांश ने बचपन में अपनी माँ और दादी से सुना होगा कि बादाम खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है, और यह बात अब वैज्ञानिक रूप से भी साबित हो चुकी है। 200 से अधिक वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह पुष्टि की है कि बादाम पोषण से भरपूर होते हैं और हमारी संपूर्ण सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। कैलिफोर्निया बादाम, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं।

चपरासियों से भी गया गुजरा है प्रदेश के लिपिकों का वेतन

40 साल से वेतन विसंगति से जूझ रहे है प्रदेश के लाखों लिपिक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत लिपिक, कार्य के अतिरिक्त बोझ के चलते भले ही समय से पूर्व बीमारियों एवं अवसाद के शिकार हो रहे है पर उनकी पीड़ा को समझने का कार्य शासन-प्रशासन के किसी भी जिम्मेदारों को नहीं हैं। केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को अगले साल लागू करने की घोषणा भले ही कर दी गई हो पर स्थिति यह है कि प्रदेश के लिपिक एक ओर काम के बोझ तले दबते जा रहे है तो दूसरी ओर उनके वेतन विसंगति की समस्या चार दशक से नहीं सुलझ पाई है। अब तो प्रदेश के लिपिकों की स्थिति यह हो गई है कि बदलते वेतनमान के बाद भी उनकी पगार चपरासियों से भी गई गुजरी हो गई है। प्रदेश भर के लिपिक विगत 40 साल से वेतन विसंगति की समस्या से जूझ रहे है। सरकार में उच्च पद पर बैठे अफसरों और राजनेताओं तक बार-बार अपनी समस्या पहुँचाने के बाद भी लिपिकों की वेतन विसंगति का मामला सुलझने के बजाय और उलझता जा रहा है। स्थिति यह है कि चपरासियों से भी कम हो रहे वेतनमान और काम के बढ़ते बोझ के चलते प्रदेश के लिपिक जहां एक और बीमारियों का शिकार होते जा रहे है तो दूसरी तरफ समस्याओं के चलते अवसाद से ग्रसित भी हो रहे है।

1984 से चली आ रही वेतन विसंगति की समस्या: दरअसल, प्रदेश के लिपिकों के वेतन विसंगति का यह मामला साल 1984 से चला आ रहा है। तब तृतीय श्रेणी में लिपिकों का वेतन सबसे ज्यादा था, लेकिन धीरे-धीरे उनके नीचे के संवर्गों के वेतनमान बढ़ते गये तथा उनके पदनाम भी परिवर्तित होते गये पर प्रदेश के लिपिकों का वेतन पटवारी, सहायक शिक्षक, ग्राम सेवक, ग्राम सहायक, पशु चिकित्सा अधिकारी से भी कम होता गया। वेतन विसंगति दूर होने से प्रदेश के लिपिक कर्मचारियों को हर साल 12 हजार रूपये से लेकर 60 हजार रूपये तक का लाभ प्राप्त होता जिससे वो विगत 40 सालों से वंचित है। प्रदेश में सबसे ज्यादा विसंगति लिपिकों के वेतनमान में है। मध्यप्रदेश में स्टेनोग्राफर की योग्यता एवं भर्ती नियम एक है लेकिन मंत्रालय में पदस्थ स्टेनोग्राफरों को अधिक वेतनमान दिया जा रहा है।

अन्य राज्यों में बढ़ गया वेतन संवर्ग: मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत आने वाले समस्त 52 विभागों में लिपिक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत है लेकिन इनके वेतन विसंगति के चलते लिपिक संवर्ग का वेतन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से भी नीचे होते जा रहा है। जानकारी के अनुसार प्रदेश के दूसरे राज्यों में लिपिक संवर्ग का वेतन बढ़ाया जा चुका है। राजस्थान में लिपिकों का वेतनमान बढ़ाया गया है वहीं छत्तीसगढ़ और उत्तरप्रदेश में भी लगभग यही स्थिति है। इसके विपरीत मध्यप्रदेश में सहायक ग्रेड-3 का ग्रेड पे 1900 रूपये है जबकि डाटा ऐन्ट्री ऑपरेटर का ग्रेड पे 2400 तथा पटवारी का 2100 रूपये है। यह स्थिति देखकर सहज रूप से अंदाजा लगाया जा सकता है मध्यप्रदेश के लिपिकों के साथ किस तरह से सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। लिपिक संगठनों द्वारा बार-बार सरकार का ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद भी वेतन विसंगति को दूर करने को लेकर सरकार की तरफ से अभी तक कोई पहल नही की गई।

विसंगति दूर करने 2016 में बनी थी समिति: लिपिकों की वेतन विसंगति को दूर करने तथा मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ की मांग पर सरकार द्वारा वर्ष 2016 में 5 सदस्यों की एक समिति का गठन किया था। इस समिति में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के तत्कालीन अध्यक्ष को अध्यक्ष, अपर सचिव वित्त को सदस्य, तत्कालीन अध्यक्ष मध्यप्रदेश सचिवालयीन कर्मचारी संघ, तत्कलीन प्रातांध्यक्ष मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ को सदस्य एवं उप सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को सदस्य सचिव नियुक्त कर 3 माह में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश सरकार ने दिये थे, पर इस समिति की सिफारिशें भी सरकार के पास धूल खा रही है।

आईएएस दीपक सक्सेना कायस्थम सम्मान से सम्मानित

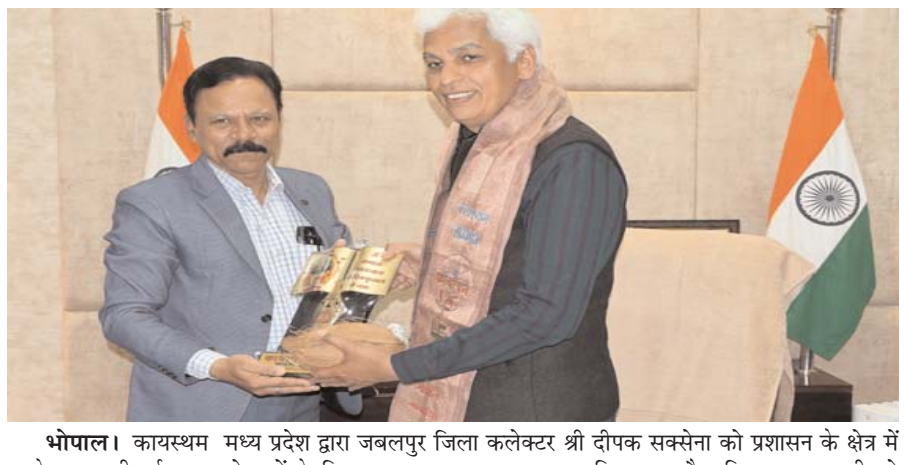

भोपाल। कायस्थम मध्य प्रदेश द्वारा जबलपुर जिला कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना को प्रशासन के क्षेत्र में उनके द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कायस्थम . सम्मान प्रदान किया गया है। विगत 17 जनवरी को भोपाल में आयोजित कायस्थम . 2025 के आयोजन में व्यस्तता के कारण श्री दीपक सक्सेना सम्मान लेने नहीं पहुंच पाए थे। कायस्थम मध्य प्रदेश के महासचिव अभय श्रीवास्तव ने कलेक्टर कार्यालय जबलपुर स्थित उनके कक्ष में उन्हें यह सम्मान भेंट किया। अभय श्रीवास्तव ने सक्सेना को कायस्थम सम्मान, अंगवस्त्र, श्रीफल और प्रशस्ति, पत्र सौंप कर उन्हें सम्मानित किया।

भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम, जल्द तैयार होगा ड्राफ्ट

भोपाल। राजधानी भोपाल को झुग्गी मुक्त शहर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि इस मिशन के पहले चरण पर लगातार काम हो रहा है और जल्द ही ड्राफ्ट को अंतिम रूप देकर आगे बढ़ाया जाएगा। इस योजना के तहत झुग्गी क्षेत्रों का पुनर्विकास, पुनर्वास और नागरिक सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता में है। प्रशासन का लक्ष्य है कि शहर की झुग्गियों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए और वहां रहने वाले लोगों को बेहतर आवासीय विकल्प उपलब्ध कराए जाएं। इस पहल से न केवल भोपाल की तस्वीर बदलेगी बल्कि झुग्गीवासियों के जीवन स्तर में भी सुधार होगा। कलेक्टर ने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्राथमिकता से पूरी की जाएगी।

शहीदों की स्मृति में 30 को मौन धारण

भोपाल। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे सभी शासकीय कार्यालयों में 2 मिनिट का मौन रखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और समस्त कलेक्टरों को इस आशय के निर्देश जारी किए हैं। शहीद दिवस को सम्पूर्ण गरिमा के साथ मनाने की अपेक्षा की गयी है। इस दिन को व्यापक रूप से आम जनता की भागीदारी से मनाए जाने के लिए प्रातः 11 बजे प्रदेश में कार्य और अन्य गतिविधियाँ रोककर दो मिनिट का मौन रखा जाए। जहां कहीं संभव हो, दो मिनट के मौन की अवधि शुरू होने तथा समाप्त होने की सूचना सायरन बजाकर या आर्मी गन से दी जायेंगी। सायरन 10:59 बजे से 11 बजे तक बजाए जाने चाहिए और दो मिनट के बाद 11: 2 बजे से 11: 3 बजे तक पुनः क्लियर सायरन बजाए जाने चाहिए। जहां सायरन उपलब्ध हो वहां यह कार्यविधि अपनाई जाए। सिग्नल अनुसार सभी व्यक्ति खडे हो जाएं और मौन धारण करें। सभी शैक्षणिक संस्थाओं और सार्वजनिक उपक्रमों में शहीद दिवस को पूरी गंम्भीरता के साथ मनाया जाये। स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय एकता के बारे में वार्ताएं और भाषण आयोजित किए जाने के भी निर्देश दिये गये हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों की स्मृति में मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे दो मिनट का मौन धारण किया जाएगा।

अब तक खरीदी गई 42 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 6 लाख 61 हजार 777 किसानों से 42 लाख 95 हजार 161 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान का उपार्जन 23 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में अभी तक 7855 करोड़ 98 लाख रूपये की राशि अंतरित कर दी गई है। खरीदी गई धान में से 38 लाख 18 हजार 332 मीट्रिक टन उपार्जित धान का परिवहन किया जा चुका है। कुल 11 लाख 79 हजार 448 मीट्रिक टन धान मिलर्स को भेजी जा चुकी है। प्रदेश के बालाघाट में 5 लाख 47 हजार 336, कटनी 4 लाख 10 हजार 746, सतना 3 लाख 99 हजार 01, जबलपुर 3 लाख 76 हजार 76, रीवा 3 लाख 47 हजार 486, सिवनी 2 लाख 98 हजार 792, मण्डला 2 लाख 942, शहडोल 1 लाख 96 हजार 737, पन्ना 1 लाख 70 हजार 543, मैहर 1 लाख 68 हजार 200, नर्मदापुरम 1 लाख 65 हजार 152, सिंगरौली 1 लाख 44 हजार 30, उमरिया 1 लाख 28 हजार 750, सीधी 1 लाख 26 हजार 950, मऊगंज 97 हजार 491, अनूपपुर 97 हजार 420, दमोह 82 हजार 875, नरसिंहपुर 76 हजार 458, डिंडोरी 76 हजार 348, रायसेन 58 हजार 25, बैतूल 46 हजार 805, सीहोर 40 हजार 715, सागर 18 हजार 777, छिन्दवाड़ा 12 हजार 690, भिंड 2 हजार 396, विदिशा 1502, हरदा 1361, शिवपुरी 1246, मुरैना 237, अलीराजपुर 56 और झाबुआ जिले में 18 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के प्रयास अंतिम दौर में: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर की जेसी मिल के लगभग 8 हजार श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार के प्रयास आखिरी दौर में पहुँच गए हैं। हमारा प्रयास है कि इंदौर की हुकुमचंद मिल और उज्जैन की विनोद मिल की तर्ज पर जेसी मिल के लगभग 8 हजार श्रमिक बंधुओं की देनदारियों का भुगतान भी जल्द से जल्द हो और उनकी दीवाली खुशियों के साथ मने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के लिये हो रहे प्रयासों को गति देने के उद्देश्य से ग्वालियर में आयोजित हुई अहम बैठक में यह बात कही। बैठक में ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट वर्चुअल रूप से शामिल हुए। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर बैठक में मौके पर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त परिसमापक व्योमेश सेठ से कहा कि पुराने और नवीन दावों के आधार पर जल्द से जल्द भुगतान का आंकलन कर उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें, जिससे उच्च न्यायालय में विचाराधीन जेसी मिल श्रमिकों के भुगतान से संबंधित मामले का शीघ्र निराकरण हो जाए और श्रमिकों की देनदारियों का भुगतान किया जा सके। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा एवं प्रमुख सचिव उद्योग राघवेन्द्र सिंह को भी निर्देश दिए कि जेसी मिल श्रमिकों की भुगतान संबंधी कार्रवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में वर्चुअल और प्रत्यक्ष रूप से मौजूद मंत्रीगण, जेसी मिल श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों, उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त परिसमापक एवं उद्योग विभाग के राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी, संभाग आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों से चर्चा कर जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के संबंध में की जा रही कार्रवाई की वस्तुस्थिति जानी। साथ ही इस कार्रवाई को और तेज करने के निर्देश दिए।

नए उद्योगों से ग्वालियर जिले के 80 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार: मंगलवार को संभाग आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर की जेसी मिल और रतलाम की सज्जन मिल सहित प्रदेश की सभी बंद मिलों पर श्रमिकों का बकाया भुगतान तो सरकार करायेगी ही, साथ ही इन मिलों की जमीन पर सरकार नई औद्योगिक इकाइयाँ भी स्थापित करेगी, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। इस कड़ी में अकेले ग्वालियर जिले में स्थापित होने जा रही औद्योगिक इकाइयों से 80 हजार से एक लाख स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा सरकार द्वारा क्षेत्रीय इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव की श्रृंखला चलाई जा रही है। इसके तहत प्रदेश के सात संभागों में इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित हो चुकी हैं। इनमें बड़े पैमाने पर निवेश के प्रस्ताव सामने आए हैं। इनसे चार लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश में विश्व स्तरीय इंडस्ट्रीयल समिट आयोजित होने जा रही है, जिससे प्रदेश को बड़ा औद्योगिक निवेश मिलेगा।

कैलारस शुगर मिल की समस्या भी सरकार हल करेगी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुरैना जिले की कैलारस शुगर मिल से जुड़े श्रमिकों की समस्याओं का समाधान भी प्रदेश सरकार करेगी। इसी तरह उज्जैन की बंद सोयाबीन फैक्ट्री के श्रमिकों का भुगतान कराया जायेगा।

वर्ष 2028 तक प्रदेश के हर व्यक्ति का होगा अपना घर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने चार मिशन बनाए हैं। इन मिशनों को 54 मंत्रालयों में संयोजित कर सरकार

बैठक लेकर जानी वस्तुस्थिति

मुख्यमंत्री दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कर रहे हैं समाधानः सिलावट

प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दृढ इच्छाशक्ति की बदौलत ग्वालियर जेसी मिल के श्रमिकों की देनदारियों का समाधान होने जा रहा है। इससे श्रमिक परिवारों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी।

प्रदेश के मुखिया की भावना के साथ काम कर रहे हैं हमारे मुख्यमंत्री

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सही मायने में प्रदेश के मुखिया की भावना के साथ जेसी मिल श्रमिकों की समस्या के निदान के लिए गंभीरता के साथ कदम आगे बढ़ाए हैं। इसके लिये हम सब उनके आभारी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आग्रह किया कि वे जेसी मिल की खाली जमीन पर नई औद्योगिक इकाई स्थापित कराएं। साथ ही साडा की जमीन को भी औद्योगिक निवेश के लिये उपलब्ध कराने की पहल करें, जिससे ग्वालियर औद्योगीकरण में फिर से अव्वल बन सके।

राजभवन 25 से 27 जनवरी तक आमजन के लिए खुलेगा

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन 25 जनवरी से 27 जनवरी 2025 तक आमजन के लिए खोला जा रहा है। इस अवधि में राजभवन में संविधान की थीम पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। ओपन थिएटर के माध्यम से अमर शहीदों की गौरव गाथा सहित विकास की झलक दिखाने वाली लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता ने बताया कि नागरिक निर्धारित अवधि में राजभवन का अवलोकन कर सकेंगे। 25 और 27 जनवरी को राजभवन, दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2025 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आमजन को राजभवन भ्रमण की अनुमति रहेगी। राजभवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संविधान में आर्ट एन्ड कैलीग्राफी पर आधारित प्रदर्शनी लगेगी। इस अवसर पर संविधान निर्माण में मध्यप्रदेश के योगदान पर केन्द्रित वीथिका भी आगंतुक के अवलोकन के लिए बनाई जा रही है। 27 जनवरी को राजभवन भ्रमण के दौरान नागरिक लाल परेड ग्राउण्ड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह की प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त विभागीय झांकियों का भी अवलोकन कर सकेंगे।

18 राज्यों एवं विदेशों से समाजजन होंगे शामिल

कुनबी समाज का अंतर्राष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन मार्च में

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय लोणारी कुनबी समाज म.प्र. के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु राने ने बताया कि 9 मार्च 2025 को 20 वां निःशुल्क अंतर्राष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन तथा महिलाओं का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम चपाती केन्द्र के पास मैदान, ई-सेक्टर, बरखेड़ा भेल, भोपाल में आयोजित होगा। सम्मेलन में 18 राज्यों एवं विदेशों में बसे युवक युवती प्रत्याशी एवं अभिभावक तथा समाज बंधु भाग लेंगे। सम्मेलन में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जांच शिविर में विशेषज्ञो के द्वारा परामर्श, बोन डेन सिटी टेस्ट, शुगर टेस्ट, ईसीजी, बीपी के साथ निःशुल्क दवाई वितरण तथा बेटी बचाओं एवं भ्रुण हत्या पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज बंधुओं को संदेश देने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में कुलदेवी का छायाचित्र तथा राम दरबार भी वितरित किया जाएगा। बायोडाटे की पुस्तिका का भी प्रकाशन किया जायेगा एवं संगठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी संगठन के पदाधिकारी एवं सभी सदस्यों का सम्मान किया जाएगा।

अब तक खरीदी गई 42 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान, खरीदी 23 जनवरी तक

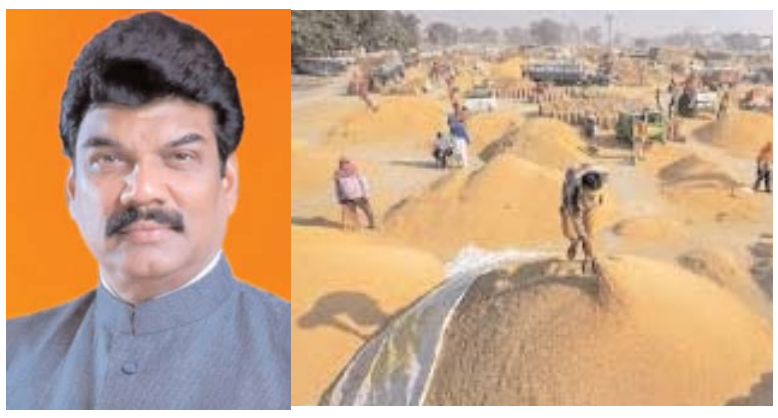

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 6 लाख 61 हजार 777 किसानों से 42 लाख 95 हजार 161 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान का उपार्जन 23 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में अभी तक 7855 करोड़ 98 लाख रूपये की राशि अंतरित कर दी गई है। खरीदी गई धान में से 38 लाख 18 हजार 332 मीट्रिक टन उपार्जित धान का परिवहन किया जा चुका है। कुल 11 लाख 79 हजार 448 मीट्रिक टन धान मिलर्स को भेजी जा चुकी है।

प्रदेश के बालाघाट में 5 लाख 47 हजार 336, कटनी 4 लाख 10 हजार 746, सतना 3 लाख 99 हजार 01, जबलपुर 3 लाख 76 हजार 76, रीवा 3 लाख 47 हजार 486, सिवनी 2 लाख 98 हजार 792, मण्डला 2 लाख 942, शहडोल 1 लाख 96 हजार 737, पन्ना 1 लाख 70 हजार 543, मैहर 1 लाख 68 हजार 200, नर्मदापुरम 1 लाख 65 हजार 152, सिंगरौली 1 लाख 44 हजार 30, उमरिया 1 लाख 28 हजार 750, सीधी 1 लाख 26 हजार 950, मऊगंज 97 हजार 491, अनूपपुर 97 हजार 420, दमोह 82 हजार 875, नरसिंहपुर 76 हजार 458, डिंडोरी 76 हजार 348, रायसेन 58 हजार 25, बैतूल 46 हजार 805, सीहोर 40 हजार 715, सागर 18 हजार 777, छिन्दवाड़ा 12 हजार 690, भिंड 2 हजार 396, विदिशा 1502, हरदा 1361, शिवपुरी 1246, मुरैना 237, अलीराजपुर 56 और झाबुआ जिले में 18 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

किसानों को कम दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है बीज, फर्टिलाइजर और मशीनरी की उपलब्धता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिये संकल्पित होकर कार्य कर रही है। कृषि विभाग की योजनाओं से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। विभाग द्वारा संचालित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत 5 लाख 15 हजार 772 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। इसी तरह मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजना से 66 हजार 412 किसानों को लाभ मिला है। इनके अंतर्गत किसानों को सस्ते दाम पर बीज, फर्टिलाइजर और मशीनरी उपलब्ध करवाई जा रही है।

केन्द्र सरकार से सहायता प्राप्त सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा कार्यक्रम अंतर्गत कृषि विस्तार सेवाओं में सुधार एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जारी है। इसके तहत कृषक प्रशिक्षण, कृषक भ्रमण, कृषि विज्ञान मेला, किसान संगोष्ठी आदि के द्वारा किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीकी की जानकारी दी जा रही है। वर्ष 2023-24 में 2 लाख 35 हजार 767 किसानों को इसका लाभ मिला है। किसानों को विकासखण्ड, जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत भी किया जा रहा है। बीज ग्राम कार्यक्रम अंतर्गत 2 लाख 92 हजार 750 किसानों को 80 हजार 275 क्विंटल बीज का वितरण किया गया। प्रदेश में किसानों को निःशुल्क स्वाइल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराये जा रहे हैं। स्वाइल हेल्थ कार्ड में अनुशंसित उर्वरक और पोषक तत्व की मात्रा अनुसार किसानों को अधिक से उत्पादन लेने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। विगत 2 वर्षों में 9 लाख 73 हजार 250 किसानों को स्वाइल हेल्थ कार्ड वितरित किये गये हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत स्प्रिंकलर, ड्रिप वं रेनगन पर समस्त वर्ग के लघु एवं सीमांत कृषकों को इकाई लागत का 55 प्रतिशत एवं अन्य वर्ग के कृषकों को 45 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में 17 हजार 496 किसानों को लाभ प्रदान किया गया।

किसानों को नलकूप खनन पर पंप स्थापना के लिये 75 प्रतिशत अधिकतम 15 हजार रूपये की राशि देने का प्रावधान है। वर्ष 2024-25 में 212 किसानों को इसका लाभ प्रदान किया गया जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश में वर्ष 2024-25 में 2169 समूह स्वीकृत हुए हैं। इसके तहत 43 हजार 380 हैक्टेयर का लक्ष्य है। प्राकृतिक कृषि के प्रसार एवं किसानों को प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश प्राकृतिक कृषि बोर्ड का गठन किया गया है।

विद्युत कनेक्शन हटाने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए स्थायी रूप से बिजली कनेक्शन के विच्छेदन के लिए अब बिजली कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें अब http://portal.mpcz.in पर ऑनलाइन आवेदन करते हुए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। कंपनी ने कहा है कि इसके लिए उपभोक्ता को पोर्टल पर पीडीसी ऑप्शन को क्लिक करना होगा। इसके बाद ओटीपी के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया आरंभ होगी। स्थायी रूप से बिजली कनेक्शन के विच्छेदन के लिए उपभोक्ता को संबंधित कनेक्शन पर बकाया राशि को जमा करना होगा।

सम्पादकीय

ट्रम्प के फैसले और भारत...

जैसी उम्मीद थी, डोनाल्ड ट्रम्प ने वैसा ही किया। अमेरिका के राष्ट्रपति की शपथ लेने के साथ ही ताबड़तोड़ तरीके से जो फैसले लिए गये हैं, उसके बाद अचानक दुनिया भर के बाजार सहम गये। सेंसेक्स धड़ाम हो गया। अवैध प्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का फैसला हो गया है, इसमें भारत का भी प्रभावित होना तय है। फिलहाल कोई अठारह हजार अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस आना पड़ेगा।

पहले बात करते हैं ट्रम्प के तीन प्रमुख संदेशों की। ट्रम्प ने आते ही तीन बड़े संदेश दे दिए हैं। एक, वे अपने देश में 'वोक' विचारों की नकेल कस देंगे। दो, वे अमेरिका की वैश्विक सहभागिताओं को खत्म कर देंगे, चाहे वह युद्धों में हो, जलवायु-कार्रवाई में हो या सार्वजनिक स्वास्थ्य में। और तीन, वे अमेरिकी वर्चस्व की रक्षा के लिए ताकत का जोर दिखाने से नहीं चूकेंगे।

ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका में अब केवल दो जेंडर होंगे- पुरुष और महिला। उन्होंने अमेरिकी सरकार में डायवर्सिटी-हायरिंग को भी समाप्त कर दिया है। इन दोनों को ही 'वोक' एजेंडे के रूप में देखा जाता था। इनकी जगह, ट्रम्प ने अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाया है- सीमा पर कार्रवाई, सार्वजनिक खर्च में कटौती और जन्मसिद्ध नागरिकता को खत्म करना। ये बात तय है कि ट्रम्प की वापसी के बाद दुनिया की कूटनीति में भी बहुत अनिश्चितताएं आएंगी। पुतिन और जिनपिंग ने ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद एक वीडियो कॉल किया और अपनी साझेदारी को और गहरा करने का वादा किया।

यह इस बात का सबूत है कि आगे क्या होने वाला है- रूस और चीन मिलकर ट्रम्प के फैसलों को ताक पर रखना चाहते हैं। वे उनके किसी भी गलत कदम का फायदा भी उठाना चाहेंगे। भारत की बात करें तो प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प को एक पत्र भेजा, उन्हें एक्स पर बधाई दी। अगले महीने पेरिस में एक शिखर सम्मेलन में वे उनसे मिल भी सकते हैं। साफ हो गया है कि अगर आपको अमेरिका का समर्थन चाहिए, तो यह बैठे-बिठाए नहीं मिलने वाला है।

डोनाल्ड ने अपने चुनावी अभियान में आप्रवासन को प्रमुख मुद्दा बनाया था। सोमवार को अपने शपथग्रहण के कुछ ही घंटों के भीतर नए राष्ट्रपति ने उस वायदे को पूरा करने के लिए कदम उठाया। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश के जरिए जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को समाप्त करने और अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर सैनिकों को तैनात करने का फैसला ले लिया। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वहां अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को उनके देश भेजने की तैयारी शुरू हो गई है। भारत ने सरकार ने अपने सभी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस लाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है।

यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि ट्रम्प प्रशासन ने निर्णय जो ले लिया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, अमेरिका में लगभग 18 हजार अवैध भारतीय प्रवासियों की पहचान की है, जिन्हें वापस घर भेजा जाना है। ट्रंप ने शपथ ग्रहण के पहले ही दिन कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसने सामूहिक निर्वासन के लिए आधार तैयार किया है। अमेरिका में खासतौर पर पंजाब और गुजरात के युवा अवैध रूप से अमेरिका में घुसने में आगे हैं।

इस सहयोग के बदले में भारत को उम्मीद है कि ट्रंप प्रशासन भारतीय नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश के लिए इस्तेमाल होने वाले कानूनी उपायों जैसे छात्र वीजा और एच-1बी वीजा कार्यक्रम की रक्षा करेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का कहना है कि प्रवास और गतिशीलता पर भारत-अमेरिका सहयोग के हिस्से के रूप में, दोनों पक्ष अवैध प्रवास को रोकने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। ऐसा भारत से अमेरिका में कानूनी प्रवास के लिए और अधिक रास्ते बनाने के लिए किया जा रहा है।

अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में अमेरिकी सीमा गश्ती अधिकारियों से सामना होने वाली सभी अवैध क्रॉसिंग में भारतीय नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग 3 प्रतिशत है। मेक्सिको, वेनेजुएला और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिकी देशों की हिस्सेदारी कहीं अधिक है। हालांकि, हाल के वर्षों में अवैध भारतीय प्रवासियों की संख्या और हिस्सेदारी बढ़ रही है।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय प्रवासियों की कुल संख्या निश्चित नहीं है, लेकिन पिछले वर्ष होमलैंड सुरक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि 2022 तक अमेरिका में लगभग 220,000 अनधिकृत भारतीय अप्रवासी रह रहे हैं। फिलहाल 18 हजार की पहचान हुई है। बाद में देखते हैं, क्या होता है।

लोकमाता अहिल्या के पदचिन्हों पर मोहन सरकार

कौशल किशोर चतुर्वेदी

वर्ष 2025 मालवा की महारानी पुण्यश्लोका अहिल्या देवी का 300वां जयंती वर्ष है। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने देवी अहिल्या माता की 300वीं जयंती मनाने का निर्णय लिया है। इस उपलक्ष्य में पूरे वर्ष अलग-अलग कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। यहां तक कि मोहन सरकार 24 जनवरी 2025 को मंत्रि-परिषद की बैठक मालवा की महारानी लोकमाता अहिल्या देवी को समर्पित कर रही है। लोकमाता की राजधानी रही धार्मिक नगरी महेश्वर में कैबिनेट बैठक होगी। कैबिनेट बैठक की बात साझा करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि 'लोकमाता अहिल्या देवी का जीवन धार्मिकता, त्याग और करुणा का प्रतीक था। वे न केवल एक कुशल शासिका थीं, बल्कि एक आदर्श नारी और माता भी थीं। लोकमाता अहिल्या देवी के शासनकाल, उनकी कर्तव्यपरायणता, धर्मपरायणता, सुशासन, दानशीलता, धार्मिकता आदि गुणों से हमें सद्मार्ग और सुशासन के जरिए लोक-कल्याण की असीम ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। उनके व्यक्तित्व की आभा से पूरा समाज आज भी उन्हें अत्यंत श्रद्धा से देखता है। मध्यप्रदेश की पावन धरा वह स्थान है, जहां रानी दुर्गावती, लोकमाता अहिल्या देवी, सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज जैसे प्रतापी एवं सुशासन लाने वाले शासक हुए हैं। इनके नाम और काम पर मध्यप्रदेश सदैव गौरवान्वित होता आया है। इस संदर्भ में महिला शासिका लोकमाता अहिल्या देवी का नाम भी अजर-अमर है। उनके नाम पर समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक में हम जनकल्याण से जुड़ी कई नवीन योजनाओं को मंजूरी देने जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की कि हम सब मालवा की लोकमाता अहिल्या देवी के पुण्य स्मरण में शामिल हों। वे स्वयं और सभी मंत्रीगण मिलकर अहिल्या माता को समर्पित मंत्रिपरिषद की बैठक के लिए महेश्वर जाएंगे और यही लोकमाता को, उनके सद्कार्यों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।'

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार का ध्येय वाक्य 'विरासत से विकास' है। और ऐतिहासिक विरासत के स्थानों पर कैबिनेट बैठक का आयोजन सरकार के ध्येय वाक्य को समर्पित एक सुनियोजित प्रक्रिया है। जबलपुर में रानी दुर्गावती को याद करते हुए कैबिनेट बैठक का आयोजन हो, या दमोह जिले में सिंग्रामपुर में राजा दलपत शाह-रानी दुर्गावती की विरासत को समेटे सिंगौरगढ़ किले में आयोजित कैबिनेट बैठक हो या महाकाल की नगरी उज्जैन में कैबिनेट बैठक का आयोजन होज्और 'विरासत से विकास' की इसी कड़ी में अब लोकमाता अहिल्या की राजधानी महेश्वर में आयोजित कैबिनेट बैठक का आयोजन एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। जैसा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस बैठक में जनकल्याण से जुड़ी कई नवीन योजनाओं को मंजूरी दी जाएगी। यानि पुण्य सलिला माँ नर्मदा के किनारे स्थित लोकमाता अहिल्या की नगरी महेश्वर, मध्यप्रदेश की मोहन सरकार की देवी अहिल्या के प्रति समर्पण को प्रकट करते फैसलों की साक्षी बनेगी। लोकमाता देवी अहिल्याबाई भारत के इतिहास में एक महान शासिका, समाज सुधारक और धर्मपरायण नेत्री के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनका जीवन त्याग, नारी सशक्तिकरण, धर्म और न्याय के आदर्शों से प्रेरित है। तो महेश्वर कैबिनेट के फैसलों में भी धर्म-संस्कृति, इतिहास-विरासत, लोककल्याण, नारी सशक्तिकरण और विकास की विकसित सोच की झलक मिलना तय है।

देवी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले के चौंडी गांव में एक साधारण मराठा पाटिल परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मनकोजी शिंदे था। उनका विवाह 1733 में खंडेराव होल्कर से हुआ, जो मालवा के शासक मल्हारराव होल्कर के पुत्र थे। वर्ष 1754 में खंडेराव होल्कर की मृत्यु के बाद, अहिल्याबाई ने अपने जीवन को राज्य और प्रजा की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। मल्हारराव होल्कर की मृत्यु (1766) के बाद अहिल्याबाई ने इंदौर की गद्दी संभाली। उनका शासनकाल (1767-1795) न्यायप्रियता, कुशल प्रशासन, और समाज कल्याण के लिए जाना जाता है। देवी अहिल्याबाई ने महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए काम किया। उन्होंने शिक्षा और धर्म के माध्यम से समाज में एकता और सामंजस्य बढ़ाया। देवी अहिल्याबाई ने कुशल प्रशासन से अपने राज्य को एक सुव्यवस्थित और समृद्ध क्षेत्र बनाया था।

मिसाल के तौर पर मोहन सरकार के पिछली कैबिनेट में 16 जनवरी 2025 के फैसले उनकी गरीब कल्याण की सोच को दर्शाते हैं। प्रदेश को वर्ष 2028 तक गरीबी मुक्त बनाने का महत्वाकांक्षी निर्णायक कदम उठाते हुए मंत्रि-परिषद ने 'गरीब कल्याण मिशन' के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी थी। मिशन का उद्देश्य राज्य के गरीब और वंचित वर्गों का आर्थिक उत्थान करते हुये उनकी आय को न्यूनतम आय के स्तर तक लाना है। मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना को आगामी 2 वर्षों (वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26) में निरंतर रखे जाने का निर्णय लिया गया है। योजना में ग्रामीण तालाबों में मत्स्य बीज उत्पादन/मत्स्यपालन, ग्रामीण तालाबों में झींगा पालन, मत्स्यपालकों को प्रशिक्षण, किसान क्रेडिट कार्ड (ब्याज अनुदान), स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना, एकीकृत सूचना प्रणाली का विकास, राज्य मछली महाशीर का संरक्षण आदि कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए राशि 100 करोड़ रूपये राज्यांश स्वीकृत किया गया। तो विगत एक साल में सीएम का सुशासन पर जोर रहा, साथ ही नए नजरिये के हिंदुत्व के साथ भी रहा। इसमें गोपालन से आर्थिक समृद्धि, गीता से सांस्कृतिक चेतना, श्रीकृष्ण पाथेय और श्रीराम वनगमन पथ से धार्मिक पर्यटन का बढ़ावा देना शामिल है। सिंहस्थ भूमि के स्थायी आवंटन से उज्जैन में नई आध्यात्मिक पहचान मिली तो प्रमुख धार्मिक स्थलों को धाम और लोक का स्वरूप देकर सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण दिया गया।पर्वों को सरकार द्वारा मनाने से सामाजिक समरसता का संचार हुआ। इन प्रयासों की शुरुआत से पहले डॉ. मोहन यादव ने कुर्सी संभालते ही मस्जिद या अन्य धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर उतारे जाने का आदेश दिया था। खुले में मांस विक्रय पर रोक लगाने का निर्णय भी लिया।

डॉ. मोहन यादव ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सुशासन की प्राथमिकता को आगे बढ़ाते हुए विकास पर जोर दिया है। लोक कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता बनाए रखते हुए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए निवेश पर फोकस किया, लेकिन संघ और भाजपा की हिंदुत्व की लाइन को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। डॉ. मोहन यादव ने सुशासन और हिंदुत्व को लेकर देश में अपनी तरह का पहला प्रयोग किया, जिसमें हिंदुत्व के प्रखर एजेंडे के बजाय इसे पर्यटन, रोजगार, आर्थिक समृद्धि और सामाजिक चेतना के साथ जोड़ दिया। वह गोपालन को गोपालकों और किसानों की आय का साधन बताते हैं। इस वजह से अत्याधुनिक गोशालाओं के निर्माण के साथ उन्होंने 10 से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान देने की घोषणा कर दी। साथ ही गोशाला में प्रति गाय चारा की राशि 20 से बढ़कर 40 रुपये कर दी।

गीता जयंती पर भोपाल में गीता के सस्वर पाठ का विश्व कीर्तिमान बना। वहीं, प्रदेश भर में आयोजित गीता प्रतियोगिता में 25 लाख से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा ली थी और यहां के विभिन्न स्थल उनकी लीलाओं से जुड़े हैं। इन सभी स्थानों को धाम के रूप में विकसित कर श्रीकृष्ण पाथेय बनाने की तैयारी है। इसी प्रकार भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान प्रदेश में गुजारे गए 11 वर्षों से जुड़े सभी स्थलों को भी जोड़ते हुए श्रीराम वनगमन पथ का निर्माण किया जा रहा है। सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन के विकास को नया स्वरूप दे रहे डॉ. मोहन यादव ने एक और बड़ी घोषणा की है। सिंहस्थ की भूमि पर अब स्थायी रूप से साधु, संत और महामंडलेश्वर के आश्रम बनेंगे। निश्चित तौर पर यह निर्णय धार्मिक मानचित्र पर उज्जैन की उपस्थिति और भी मजबूत करेगा। त्योहारों को संस्कृति और सामाजिक समरसता का संवाहक मानते हुए डॉ. मोहन यादव ने इसे समाज के साथ मनाने पर जोर दिया है। वह कहते हैं कि पर्व में समाज के साथ सरकार को भी मिल जुल कर इसके आनंद को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने इसकी शुरुआत रक्षाबंधन से की और लाड़ली बहना योजना की राशि के साथ 250 रुपये अतिरिक्त दिए थे। वह करीब एक पखवाड़े तक पूरे प्रदेश में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचे थे। इसके बाद जन्माष्टमी, विजयादशमी पर शस्त्र पूजन और गोपाष्टमी का भव्य आयोजन किया गया।

मध्यप्रदेश में महिलाओं को अब 35 फीसदी आरक्षण मिलेगा। इससे पहले राज्य द्वारा होने वाली सरकारी नौकरी में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण था। जिसे बढ़ा कर 35 फीसदी कर दिया गया है। सरकार का यह फैसला महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। तो रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव्स रोजगार और निवेश का पर्याय बन गए है। युवाओं, महिलाओं, गरीबों सबकी सुध मोहन सरकार ले रही है। स्वास्थ्य को लेकर मोहन सरकार लगातार फैसले ले रही है। गरीब से गरीब बीमार व्यक्ति को एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराना उनकी सोच की एक बानगी है। कानून-व्यवस्था के मामले भी मध्यप्रदेश बेहतर काम कर रहा है। युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में सरकार नवाचार कर रही है।

तो सुशासन का सीधा संबंध जनहित में फैसला लेने की क्षमता से भी है। डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री बतौर इस पर खरे उतरे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनहित में फैसला लेने में देरी नहीं करते। भोपाल की सड़कों और विकास के अन्य कार्यों को लेकर गठित राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 2022 में खत्म कर दिया था। डॉ. मोहन यादव ने फिर से इसे गठित करने का निर्णय लिया। सरकारी कार्यक्रम में राष्ट्रगान की तरह एमपी गान पर भी खड़ा होना तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में अनिवार्य किया गया था। मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रगान सबसे बड़ा है तो फिर एमपी गान पर खड़े होने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार के सहयोग से शिवराज सरकार के समय बनाए गए बीआरटीएस कॉरिडोर को मोहन यादव ने हटाने का निर्णय लिया। क्योंकि यह हादसों का कॉरिडोर साबित हो रहा था। तो लोककल्याण का सबसे बड़ा उदाहरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामीण इलाकों में परिवहन की दिक्कतों को देखते हुए परिवहन निगम को फिर से चलाने का फैसला लिया है।

विकास के साथ सुशासन की तरफ बढ़ रहे डा. मोहन यादव के यह सभी काम कहीं न कहीं लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के कार्यों से मेल खाते हैं। लोकमाता का राज्य धार्मिक कार्यों का प्रतीक था, तो डॉ. मोहन यादव का शासन धर्म-संस्कृति केंद्रित है। हाल ही में पवित्र नगरों में शराब निषेध का सरकार का फैसला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। सुशासन और न्यायप्रियता देवी अहिल्या की सोच में समाहित था और उन्होंने इसे चरितार्थ किया था। सुशासन और न्यायप्रियता की तरफ मोहन सरकार लगातार कदम आगे बढ़ा रही है। महिला सशक्तिकरण और औद्योगिक गतिविधियों के लिए देवी अहिल्या को जाना जाता है, तो लाड़ली बहना और नारी सशक्तिकरण के लगातार प्रयास के साथ रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव जैसे नवाचार मोहन के देवी अहिल्या से प्रेरित कदम ही हैं। शिक्षा पर लोकमाता अहिल्या का विशेष जोर था, तो उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में नई शिक्षा नीति का शंखनाद किया है। अब मुख्यमंत्री के रूप में शिक्षा में नवाचार जारी है। तो मालवा में पले-बढ़े और राजनैतिक कद पर पहुंचे डॉ.मोहन यादव की सोच में कहीं न कहीं लोकमाता अहिल्या का असर बहुत पहले से है, जिसे अब पूर्णता के साथ क्रियान्वयन का अवसर मिला है। और और मोहन सरकार के फैसले यह साबित कर रहे हैं कि देवी अहिल्या एक आदर्श के रूप में मध्यप्रदेश में आज भी विद्यमान हैं। और लोकमाता अहिल्या के पदचिन्हों पर मोहन सरकार लगातार आगे बढ़ती जा रही है।

श्रीमद् भागवत गीता के बारे में सभी जानते हैं लेकिन क्या राम गीता के बारे में किसी ने सुना ?

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

भारतीय संस्कृति का सम्भवत: कोई भी अनुयायी श्रीमद्भगवद्गीता ग्रंथ से अपरिचित नहीं हैं।सभी ने इसका वाचन एवं श्रवण भी किया होगा लेकिन 'राम गीता' ग्रंथ के बारे में शायद ही किसी ने सुना होगा। देश दुनिया में बहुत ही कम लोग राम गीता के बारे में जानते हैं।

राम गीता का दक्षिणी राजस्थान के ऐतिहासिक नगर डूंगरपुर से गहरा और अटूट सम्बन्ध है। वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप के वंश से ताल्लुक रखने वाले डूंगरपुर के तत्कालिक शासक महारावल विजय सिंह को एक शताब्दी पूर्व इस पवित्र ग्रंथ को प्रकाशित कराने का अनूठा श्रेय जाता है। विजय सिंह राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष महारावल लक्ष्मण सिंह और मध्य प्रदेश केडर के आईएएस रहें वीरभद्र सिंह एवं अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय हेग के पूर्व अध्यक्ष डॉ नागेन्द्र सिंह,प्रद्युमन सिंह और रमा कुंवर के पिता और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष राज सिंह डूंगरपुर के दादा थे।

पूर्व भाजपा सांसद और डूंगरपुर के वर्तमान महारावल हर्षवर्द्धन सिंह और उनके चाचा पूर्व आईएएस एवं वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी समर सिंह डूंगरपुर की भावना है कि वे प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी को अपने पितामह महारावल विजय सिंह द्वारा लिखी अनूठी राम गीता ग्रन्थ की प्रति भेंट करने के साथ ही इस ग्रन्थ का पुन: प्रकाशन करा इसकी प्रतियाँ धर्मावलंबियों के ज्ञानार्थ अयोद्धा के राममंदिर संग्रहालय में भी रखें,ताकि देश दुनिया के लोग राम-गीता के बारे में सही जानकारी प्राप्त कर सकें।

आज जब अयोद्धा में निर्मित भव्य राम मन्दिर में भगवान राम लल्ला की नयनाभिराम प्रतिमा की स्थापना की पहली वर्षगांठ हैं और वहाँ हज़ारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा हैं। प्रयागराज में 144 वर्षों बाद आयोजित हों रहें ऐतिहासिक महाकुम्भ में जाने वाले श्रद्धालु भी त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद अयोद्धा को ओर जा रहें हैं।ऐसे आध्यात्मिक अवसर पर राम गीता का उल्लेख करना न केवल प्रासंगिक हैं वरन् राम-गीता के बारे में जानकारी पाने की उत्सुकता और जानकारी पाने की इच्छा रखने वाले लोगों की जिज्ञासाओं को पूर्ण करने वाला भी है।

राम गीता और सुप्रसिद्ध श्रीमद् भगवद् गीता में आश्चर्यजनक समानताएं हैं। दोनों ग्रंथों में दार्शनिक सामग्री और संदेश मूलत: एक जैसे हैं।राम गीता में भी अठारह अध्याय हैं, लेकिन यह संस्कृत में कुल 1,001 श्लोकों के साथ बहुत लंबी है और इसका वर्णन हनुमान जी द्वारा श्री राम से ब्रह्मविद्या (आध्यात्मिक ज्ञान) के बारे में उन्हें बताने के लिए किए गए विनम्र अनुरोध से उत्पन्न हुआ है। राम गीता में विभिन्न प्रवचनों के अंत में, श्री राम उन्हें महाशास्त्र के रूप में वर्णित करते हैं।अर्थात, जिसमें सभी वेदों और उपनिषदों का सार है । हनुमान जी,श्री राम के उपदेशों को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करते हैं और कहते है कि उन्होंने जितनी भी गीताएँ सुनी थीं, उनमें राम गीता स्पष्ट रूप से सर्वोच्च और अमृत के समान थी।

द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण ने अपने सगे-सखा महान धनुर्धर अर्जुन के रथ का सारथी बन उनको कौरवों और पांडवों की सेनाओं के मध्य हुए महाभारत युद्ध के दौरान कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर गीता का ज्ञान दिया था और अपने ही कुल के भाइयों एवं सगे संबंधियों के साथ युद्ध से विमुख हुए धनुर्वीर अर्जुन पुन: रणक्षेत्र की और लौटे थे तथा महाभारत के युद्ध में पांडवों ने विजयश्री का वरण किया था । भगवान श्री कृष्ण, श्रीमद् भागवत गीता और अर्जुन को दिए गए गीता के उपदेशों के इन धार्मिक प्रसंगों से संभवत कोई भी अनभिज्ञ नहीं हैं,लेकिन त्रेता युग में अवतार लेने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम से सम्बद्ध राम गीता ग्रंथ के बारे में देश दुनिया में बहुत ही कम लोग जानते हैं।दरअसल राम गीता तत्व-सारायण नामक एक बड़े संस्कृत ग्रंथ का हिस्सा है, जिसका श्रेय महर्षि वशिष्ठ को दिया जाता है। डूंगरपुर महारावल विजय सिंह जोकि अक्सर वाराणसी जाते थे और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना में भी अमूल्य सहयोगी रहें, को राम गीता इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसके संस्कृत पाठ का हिंदी में अनुवाद करने और फिर एक भाष्य तैयार करने का काम शुरू कर दिया। श्रमसाध्य कार्य पूरा करने के बाद, उन्होंने तैयार ग्रन्थ की पाण्डुलिपि को भारत धर्म महामंडल के माध्यम से स्वामी ज्ञानंदजी को प्रकाशित करने के अनुरोध के साथ भिजवाई। अंतत: 1921 में महारावल विजय सिंह के लेखन की स्वीकृति के साथ राम गीता प्रकाशित हुई। कालान्तर में इसके संस्करण भी निकले।

ऐसे दुर्लभ प्रकाशन के बारे में अब तक अज्ञात रहे तथ्यों का खुलासा करते हुए डूँगरपुर राजघराने से जुड़े सेवानिवृत्त आईएएस समर सिंह ने अपनी पुस्तक डूंगरपुर: ए ग्लोरियस सेंचुरी में कई दिलचस्प पहलुओं को विस्तार से बताया है। समर सिंह ने बताया कि उनके दादा महारावल विजय सिंह ने उस जमाने में फारसी और अरबी के प्रारंभिक ज्ञान के साथ हिंदी और अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया था। उन्होंने जाने-माने हिंदी कवियों की कविताओं का अध्ययन शुरू किया, जिसमें से एक हजार कविताओं का चयन किया गया और अंतत: उन्हें विजय हजारा नामक खंड में प्रकाशित किया गया। उन्होंने अपने दादा के समय की एक और काव्य रचना उदय प्रकाश के प्रकाशन की व्यवस्था भी की। साथ ही हिंदी में 1,200 कहावतों का एक खंड भी प्रकाशित कराया।समर सिंह ने रोली बुक्स द्वारा प्रकाशित अपनी पुस्तक डूंगरपुर-ए ग्लोरियस सेंचुरी जो कि अमेज़न पर भी उपलब्ध है,में राम गीता का विस्तार से उल्लेख किया हैं ।145 पृष्ठों की यह पुस्तक भारतीय रियासतों पर अब तक की सभी पुस्तकों में से एक पूरी तरह से अलग प्रकार का संस्करण है।

इस पुस्तक में जैसा कि शीर्षक से पता चलता है, यह डूंगरपुर के तीन शासकों की एक शताब्दी लंबी गाथा है, जिसमें बताया गया है कि कैसे चित्तौड़गढ़ के बप्पा रावल के मेवाड़ राज वंश से निकल वागड़ अंचल की गौद में जा बसे प्राचीन डूंगरपुर रियासत के प्रत्येक शासक ने बिना रुके लगभग आठ शताब्दियों तक अनवरत तत्कालीन डूंगरपुर राज्य पर शासन किया। डूंगरपुर का यह गुहिलोत-अहाड़ा राजवंश मेवाड़ के सिसोदिया शासकों के प्रसिद्ध राजवंश की वरिष्ठ शाखा रहा है। यह राजवंश आठ शताब्दियों तक एक अखंड रक्तवंश रहा हैं , जोकि विभिन्न बाधाओं के बावजूद फला-फूला लोकप्रिय हुआ ।पुरातन इतिहास के संदर्भ में, स्वतंत्रता पूर्व के भारत या दुनिया में कहीं भी बहुत कम रियासतें इस अनूठे रिकॉर्ड की बराबरी कर सकी हैं। उस समय मध्य भारत के सबसे घने और बियाबान जंगलों से घिरे आदिवासी बाहुल्य वाले इस राज्य की कतिपय अनिश्चित परिस्थितियों पर विजय पाने के लिए तत्कालीन शासकों ने बहुत शिद्दत के साथ शासन किया था, जब परिवहन और संचार के संसाधन नहीं थे। साथ ही शिक्षा,स्वास्थ्य,पानी और अन्य आधारभूत सुविधाओं की चुनौतियाँ भी हमेशा मुँह बायें खड़ी रहती थी लेकिन कालान्तर में इस रियासत ने हर क्षेत्र में न केवल उत्कृष्टता हासिल की वरन देश दुनिया में नाम भी कमाया।

पुस्तक डूंगरपुर-ए ग्लोरियस सेंचुरी के कवर पेज पर तत्कालीन डूंगरपुर राज्य के तीनों महारावलों उदय सिंह, विजय सिंह और लक्ष्मण सिंह के चित्रों को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। इन तीनों शासकों का शासन एक रिकॉर्ड प्रदर्शन रहा है क्योंकि सिंहासन पर बैठने के समय ये तीनों नाबालिग थे।इसलिए इन तीनों शासकों ने अपने शासन के प्रारंभिक काल में उत्तराधिकार में शासन किया लेकिन बाद में प्रत्येक ने अपने विशेष तरीके से उत्कृष्टता हासिल कर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया।

गुजरात और मेवाड़ की सीमाओं से सटे तत्कालीन डूंगरपुर राज्य की सौ साल लंबी और आकर्षक कहानी, जो अब तक अनकही रहीं है, इस पुस्तक में कैद की गई है।पुस्तक के लेखक समर सिंह ने यह पुस्तक डूंगरपुर राज्य के अन्तिम तीनों शासकों महारावल उदय सिंह, विजय सिंह और लक्ष्मण सिंह के साथ ही अपने पिता महाराज वीरभद्र सिंह के नाम समर्पित की है, जिन्होंने देश की आजादी के बाद मध्य प्रदेश में आईएएस बनने से पहले अपने बड़े भाई महारावल लक्ष्मण सिंह के शासन काल (1918 से 1948 तक) में राज्य के दीवान के रूप में कार्य किया था। महारावल लक्ष्मण सिंह 1947 में भारत की स्वतंत्रता से पूर्व डूंगरपुर के अन्तिम शासक थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी लक्ष्मण सिंह स्वयं संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, मेवाड़ी और वागड़ी भाषा के निष्णात विद्वान थे। उन्होंने अपने तीस वर्षों के शासन काल में एक कुशल प्रशासक, क्रिकेट के अद्वितीय खिलाड़ी और लोकप्रिय राजा के रूप में अपनी रियासत को शिक्षा, स्वास्थ्य,पेयजल, कृषि,वन और पर्यावरण, सिंचाई, बिजली, सड़क परिवहन सहित हर क्षेत्र में बुलंदियों पर पहुँचा कर डूंगरपुर को एक आदर्श राज्य बनाया और डूंगरपुर की शोहरत को सर्वत्र फैलाया। उनकी पुत्री सुशीला कुँवर के विवाह पर जब बीकानेर के महाराजा करणीसिंह की बारात डूंगरपुर आई तो यहाँ हवाई पट्टी भी निर्मित हुई और डूंगरपुर में बिजली घर भी बना।आजादी के बाद नरेश मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए महारावल लक्ष्मण सिंह का रियासतों के एकीकरण एवं राजस्थान के निर्माण में भी उल्लेखनीय योगदान रहा। उनके निजी सचिव रहें भट्ट कान्ति नाथ शर्मा महारावल से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाते थे। महारावल लक्ष्मण सिंह अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा के अध्यक्ष रहने के साथ ही भारत के प्रथम गवर्नर जनरल चक्रवती सी. राजगोपालाचारी राजाजी द्वारा गठित स्वतन्त्र पार्टी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा में वर्षों तक प्रतिपक्ष के नेता और विधानसाध्यक्ष भी रहें।

महारावल लक्ष्मण सिंह, उनकी माता देवेन्द्र कुँवर और परिवार के अन्य सदस्यों ने राम गीता को हर आम खास तक पहुँचाने के अथक प्रयास किए ।समर सिंह के पुत्र शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर फिल्म हैरिटेज फाउंडेशन मुंबई के संस्थापक निदेशक है जिन्होंने कई भूली बिसरी फिल्मों का पुनरुद्धार कर उन्हें सुप्रसिद्ध कांस फिल्म फेस्टिवल तक पहुंचाने का प्रशंसनीय कार्य किया हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सांध्य प्रकाश भैंसदेही । समाज एकजुट रहेगा तभी विकास संभव- चंद्रशेखर देशमुख भैंसदेही में कुनबी समाज संगठन के 35 पदाधिकारियों ने किया एक साथ पदभार ग्रहण विधायक ने शपत दिलाई

बडोरा के शिवाजी पार्क मे क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज संगठन और महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में कुंबी समाज का भव्य वार्षिक सम्मेलन और हल्दी कुमकुम कार्यक्रम संपन्न के बाद समाज में युवाओं की भूमिका पर किया विचार-विमर्श किया ।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध सुशील कुमार जैन की अनोखी पहल

पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट भोपाल के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने आज कहा कि जैसा कि सर्वविदित है, कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील व भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रति जागरूक है, इस ही सन्दर्भ में भ्रष्टाचारियों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए लोकायुक्त पुलिस ने मुहिम तेज करने की योजना बनाई है। लोकायुक्त मुख्यालय की ओर से जनता के लिए केंद्रीयकृत दो हेल्पलाइन नंबर 9407293446 एवम 0755 2540889 जारी किए हैं। इन नंबर पर संपर्क कर लोकायुक्त विभाग द्वारा भ्रष्टाचारी को ट्रैप करवाने का तरीका, सावधानी, संबंधित अधिकारी से संपर्क सहित अन्य जानकारी दी जाएगी। सुशील कुमार जैन द्वारा जन जागृति हेतु हाथी के साथ लोकायुक्त मुख्यालय द्वारा जनता के लिए जारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध केंद्रीयकृत हेल्पलाइन नंबरो का प्रचार किया।

अन्नदाता परेशान, वादों की पूर्ति के लिए किसान संघ का तीसरे दिन धरना जारी

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)-किसानों को 10 घंटे बिजली देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के सदस्य बैठे ध्रने पर

सरकार द्वारा किसानों से चुनाव के समय जो वादे किए गए थे धान ?3100रुपए प्रति क्विंटल गेहूं ?2700 प्रति क्विंटल किसानों को 10 घंटे बिजली जैसे मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ द्वारा स्थान औबेदुल्लागंज तहसील गोहरगंज जिला रायसेन में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया आज तीसरे दिन बड़ी संख्या में किसान साथी धरने पर बैठे राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राहुल गौर ने बताया कि जब तक हमारी मांगें पूरी नही होती धरना प्रदर्शन अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला उपाध्यक्ष सुरजीत नागर, मीडिया प्रभारी राहुल गौर, दिनेश गौर ,राजू नागर, जगदीश गौर, राजमल नागर, मुकेश साहू आदि किसान मौजूद रहे द्य

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नजीराबाद में हुआ आनंद उत्सव का भव्य आयोजन

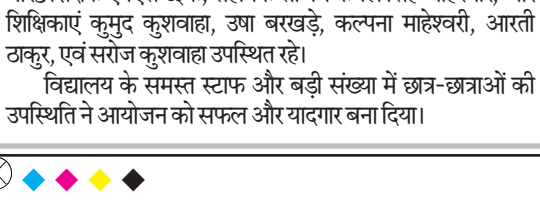

बैरसिया– मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले आनंद उत्सव के तहत मंगलवार को जनपद पंचायत बैरसिया की ग्राम पंचायत नजीराबाद, खजुरिया कलां, और कढ़ैया कलां का सामूहिक उत्सव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नजीराबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तीनों पंचायतों के शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और उत्सव का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जनपद सदस्य कैलाश अहिरवार और विशेष अतिथि सरपंच नर्मदा प्रसाद अहिरवार द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलन से हुई।

खेल-कूद गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी-

आनंद उत्सव के दौरान छात्रों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें कबड्डी, खो-खो, चम्मच दौड़, लंबी दौड़ और चेयर रेस जैसे रोमांचक खेल शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किए गए।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन में खेलों के महत्व से अवगत कराना था। साथ ही, यह संदेश दिया गया कि खेलों के माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है, बल्कि टीम भावना और अनुशासन भी सीखा जा सकता है।

इस अवसर पर पंचायत समन्वय अधिकारी कमलेश शर्मा, सचिव जयराम मीणा, प्राचार्य गजराज सिंह गुर्जर, वरिष्ठ व्याख्याता नरेंद्र दुबे, वरिष्ठ शिक्षक एनएस उईके, सहायक सचिव कमल सिंह अहिरवार, और शिक्षिकाएं कुमुद कुशवाहा, उषा बरखड़े, कल्पना माहेश्वरी, आरती ठाकुर, एवं सरोज कुशवाहा उपस्थित रहे।

विद्यालय के समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने आयोजन को सफल और यादगार बना दिया।

चिचोली आलमपुर पंचायत मे मनरेगा का कार्य मजदूर के बजाय जेसीबी का उपयोग : नियमों का उल्लघंन

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता ,बैतूल। चिचोली जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले आलमपुर ग्राम पंचायत में मनरेगा के चल रहे कार्यों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार सरपंच और सचिव द्वारा नियमो का उल्लंघन करते हुए शासन से स्वीकृति के बिना मनरेगा के कार्यो मे जेसीबी मशीन का उयोग किया जा रहा है। आपको बता दें कि मनरेगा का उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना है। और श्रमिको मजदूरी का कार्य देकर उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाना है। वहीं चिचोली जनपद के पंचायत आलमपुर में मजदूरों को काम देने के बजाय जेसीबी मशीनों का उपयोग करके नियमों का उल्लंघन किया गया है। ग्रामीणों का कहना कि सरपंच और सचिव की अपनी मनमर्जी के मालिक हो चुके है। ग्राम वासियों का कहते है । उन्हें रोजगार से जोड़ने के बजाय जे सीबी मशीनों से काम करके ग्रामीण मजदूरों की रोजी रोटी छीनने का कार्य किया जा रहा है। इससे ग्रामीण मजदूरों में भारी आक्रोश है। अभी इस मामले में चिचोली जनपद सी ई ओ रजक कराशी ने फिलहाल प्रशासनिक कार्यवाही नही की है। ग्रामीणों मजदूरों ने जनपद चिचोली से जांच करवाकर कार्यवाही की अपेक्षा जतायी है । नियम

अनुसार मनरेगा के तहत मशीनों का उपयोग केवल विशेष परिस्थितियों में और शासन की स्वीकृति मिलने के बाद ही जेसीबी मशीन का उपयोग कर सकते है । ग्रामीणो ने चेतावनी दी है। कि कार्रवाई करने पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। सवाल है कि आलमपुर पंचायत के मनरेगा कार्यो में जेसीबी मशीन का उपयोग करने की लिखित अनुमति है या नही और ग्रामीण मजदूरों को रोजगार से को वंचित किया जा रहा है। ग्रामीण मजदूर इस मामले को लेकर जिला कलेक्टर से मिलेंगे।

इनका कहना है

सुचना मिलने पर जे सी बी मशीन कार्य तत्काल बन्द कराया और कार्यवाही करने के लिए सरपंच सचिव को नोटिस भेज दिए गए है।

जनपद सी ईओ चिचोली
रजक कराशी

स्कूल रास्ते को लेकर विरोध उमरिया में चक्का जाम, युवा कांग्रेस ने विधायक का फूंका पुतला

तहसीलदार ने शीघ्र कार्रवाई का दिया आश्वासन

सांध्य प्रकाश आमला। बैतूल आमला विधान सभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमरिया में स्कूल जाने का रास्ता न होने से परेशान ग्रामीण आक्रोशित हो गए । युवा कांग्रेस अध्यक्ष विजय पारधी के मार्गदर्शन और उपाध्यक्ष अलकेश ठाकुर के नेतृत्व में उमरिया में चक्का जाम कर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। वहिं विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे का पुतला दहन किया गया। सड़क निर्माण की मांग करी सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार श्याम बिहारी समेले मौके पर पहुंचे और मामले नियंत्रण किया । बल्कि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र चालू करने का आश्वासन दिया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष विजय पारधी ने कहा कि जनता से किए गये वादे पूरा होना था। इसलिए विधायक को पदत्याग देना चाहिए । कहा सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं होता कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। उपाध्यक्ष अलकेश ठाकुर ने कहा कि सड़क की खराब स्थिति के कारण बच्चे स्कूल

नहीं जा पा रहे हैं। यह स्थिति बेहद शर्मनाक है। प्रशासन को तुरंत निर्माण कार्य शुरू करना चाहिए। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जैद खान ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। यदि प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई, तो हम बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन मे युवा कांग्रेस एनएसयूआई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे । जिला उपाध्यक्ष अलकेश ठाकुर, एनएसयूआई अध्यक्ष जैद खान महासचिव अर्पित सोनी, एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष अमर साहू, दुर्गेश पाल, राज बघेल, दुर्गेश पाल, राज साहू अर्पित सोनी, अमन किरोदे, नीलेश धुर्वे, भीम देवड़ा,महेंद्र सिंह बघेल, फैयाज,अमन खान, शाहिद सहित अन्य कार्यकर्त्ता शामिल थे ।

गौरव बुंदेला उत्क्रिस्टता पदक से सम्मानित

इटारसी.थाना केसला अंतर्गत 8 वर्ष की बच?ची के साथ दुष?कर्म के बाद हत?या के मामले में अपराध क्र 207/2022 धारा 363 भादवि, धारा 302, 376 (ए)(क्ष), 376(2) (एफ) भादवि एवं 5/6 (रू)(ह) पाक्सो एक्ट कायम कर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करना बताया गया।

विवेचना के दौरान 11 दिवस में चालान माननीय न्यायालय पेश किया गया। जिसके कारण माननीय न्यायालय द्वारा मात्र 83 दिन में सम्पूर्ण गवाही पूर्ण कर अपना निर्णय पारित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को चार धाराओं 376 (ए)(क्ष), 302 भादवि, 5/6 (रू)ए 5/6 (ह) पाक्सो एक्ट में पृथक पृथक मृत्युदण्ड एवं पांच हजार रू. जुर्माना, धारा 363 भादवि में 3 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये जुर्माना, धारा 376 (2) (एफ) भादवि में आजीवान कारावास एवं पांच हजार रूपये की सजा से दण्डित करने का निर्णय पारित किया गया। कार्यवाहक निरीक्षक गौरव सिंह बुन्देला द्वारा नाबालिग बालिका के साथ हुए दुष्कर्म एवं उसकी हत्या करने के मामले में की गई उत्कृष्ट विवेचना के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री अनवेषण उत्कृष्टता पदक से कार्यवाहक निरीक्षक गौरव सिंह बुन्देला को पुरस्कृत किया गया है।

स्कूल वाहनों की यातायात पुलिस ने की जांच, सड़क सुरक्षा के नियम बताए

सिरोंज। मंगलवार को सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस के द्वारा स्कूल वालों की जांच पड़ताल करके यातायात विभाग के नियमों के संबंध में जानकारी दी यातायात प्रभारी रितेश वाघेला ने बताया कि

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे , एस.डी.ओ.पी सिरोंज श्री मान उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में लटेरी नाका - कॉन्वेंट स्कूल बस स्टैंड पर स्कूल वाहन मैजिक वैन-ऑटो रिक्शा-बस जांच की इसके बाद वाहन चालकों को यातायात नियमों की प्रति जागरुक करते हुए उनके पालन के संबंध में समझाइश देते हुए कहा कि वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चे ना बैठाए, स्कूल वाहन में फॉस्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, पैनिक बटन लगा हो, वाहन संबंधी कागजात पूर्ण रखें, तेज गति से वाहन ना चलाए, किसी भी प्रकार का नशा ना करें, ऑटो रिक्शा मैजिक वैन में बच्चों की सुरक्षा के लिए जाली लगी हो इत्यादि

यातायात नियमो के प्रति जागरूक किया।

नाबालिग बच्चों को रोक कर उनके पिता जी को बुलवाया गया और उन्हें समझाइश दी गई कि जीवन अनमोल है अपने बच्चों को जब तक ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनता वाहन न चलाने दें, यदि कोई घटना दुर्घटना होती है तो बच्चे के माता पिता भी उसी घटना के लिए बराबर के भागीदार होंगे इसलिए यातायात नियमो का स्वयं भी पालन करें और अन्य को जागरूक करें

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किसान पंजीयन 31 मार्च तक

गेहूं खरीदी के लिए जिले में 67 पंजीयन केन्द्र निर्धारित

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिले में रबी विपणन वर्ष 2025- 26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किसान पंजीयन का कार्य 20 जनवरी से 31 मार्च तक किया जायेगा। इसके लिए उत्पादित फसल गेहूं के पंजीयन का कार्य करने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले में 67 पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है।

इस सिलसिले में नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत पंजीयन केन्द्र वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था नरसिंहपुर, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था लोकीपार, सेवा सहकारी संस्था सिंहपुर, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था डांगीढाना, सेवा सहकारी संस्था मुंगवानी- पठापिपरिया, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित नयागांव, सेवा सहकारी समिति बचई- करहैया और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मुर्गाखेड़ा को पंजीयन स्थल बनाया गया है। करेली तहसील के अंतर्गत पंजीयन केन्द्र सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली हेतु विपणन सहकारी समिति मर्यादित करेली को पंजीयन स्थल, पंजीयन केन्द्र वृहता सेवा सहकारी संस्था करेली, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था कोदसा, सेवा सहकारी संस्था सुआतला, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित रामपिपरिया, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित केरपानी- सरसला, वृहता सेवा सहकारी संस्था आमगांवबड़ा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बारहा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बघुवार, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित चांवरपाठा को पंजीयन स्थल और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सिमरिया करेली हेतु प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित सिमरिया- करेली को पंजीयन स्थल बनाया गया है।

तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत पंजीयन केन्द्र वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था तेंदूखेड़ा, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था डोभी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलगुवा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित काचरकोना, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलेहरा, सेवा सहकारी संस्था सूरवारी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित इमलिया- कामती, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बरहेटा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित मेख, सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिमरीबडी, सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरिया, सेवा सहकारी समिति लाठगांव, सेवा सहकारी समिति मर्यादित बढ़ैयाखेड़ा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित चांदनखेड़ा, सेवा सहकारी समिति मर्यादित करकबेल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिवनीबंधा, सेवा सहकारी समिति करेलीकलां और आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर को पंजीयन स्थल बनाया गया है। गाडरवारा तहसील के अंतर्गत पंजीयन केन्द्र सहकारी विपणन संस्था मर्यादित खुलरी हेतु विपणन सहकारी समिति मर्यादित खुलरी को पंजीयन स्थल, पंजीयन केन्द्र सहकारी विपणन संस्था मर्यादित गाडरवारा हेतु विपणन सहकारी समिति मर्यादित गाडरवारा को पंजीयन स्थल, पंजीयन केन्द्र वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा हेतु वृहताकार सेवा सहकारी संस्था गाडरवारा को पंजीयन स्थल, पंजीयन केन्द्र सेवा सहकारी संस्था कामती, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था गोटीटोरिया, सेवा सहकारी संस्था चीचली, सेवा सहकारी संस्था सीरेगांव, सेवा सहकारी संस्था बाबईकलां, सेवा सहकारी संस्था पचामा, वृहता सेवा सहकारी संस्था करपगांव को पंजीयन स्थान, पंजीयन केन्द्र सेवा सहकारी समिति मारेगांव हेतु सेवा सहकारी समिति मारेगांव केन्द्र क्रमांक एक को पंजीयन स्थान, पंजीयन केन्द्र प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बोहानी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चिर्रिया, सेवा सहकारी संस्था कोड़िया, सेवा सहकारी समिति सहावन, सेवा सहकारी समिति मर्यादित डुंगरिया, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सूरना, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित हर्रई- गाडरवारा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर- गाडरवारा, सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिल्हैटी और सेवा सहकारी समिति मर्यादित इमझिरी को को पंजीयन स्थल बनाया गया है।

बिछिया विधानसभा के ग्राम मांद में आज होगा किसान न्याय आंदोलन

कांग्रेस के दिग्गज नेता आंदोलन में हुए शामिल

मंडला/अजीत पटेल--जिले के बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा के नेतृत्व में विगत 04 दिसंबर 2024 से किसान न्याय महाभियान प्रारम्भ किया गया है।जिसके प्रथम चरण में ब्लॉक कांग्रेस कमेटीयों ने अलग-अलग तिथियों में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे और घोषित समर्थन मूल्य देने की माँग की गई।इसके बाद दूसरे चरण में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धान खरीदी केंद्रों में किसानों को पम्पलेट देकर समर्थन मूल्य की लड़ाई लड़ने की जानकारी दी एवं गाँव-गांव पहुंचकर किसानों से किसान न्यायधिकार पत्र भरवाये।बिछिया विधानसभा में अब तक 25000 से अधिक किसान न्यायधिकार पत्र भरे जा चुके हैं। कुल 30400 किसान न्यायधिकार पत्र भरवाये जाने का लक्ष्य रखा गया है।इन सभी किसान अधिकार पत्रों को आज 22 जनवरी को आयोजित हो रहे किसान न्याय आंदोलन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को सौंपा जायेगा जिसे मुख्यमंत्री तक भेजा जायेगा।महाभियान के तीसरे चरण में बिछिया विधानसभा के अंजनियां के समीप ग्राम मांद में आज 22 जनवरी को किसान न्याय आंदोलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जिले भर से लगभग 10 हजार किसान पहुंचने वाले हैं।

प्रदेश अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष दिग्गज कांग्रेस नेताओं का आगमन

बिछिया विधानसभा के ग्राम मांद में आज आयोजित इस किसान न्याय आंदोलन में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का आगमन हो रहा है।जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार,पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव,पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा,उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे,युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह,एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे,राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी सहित कांग्रेस के 25 से अधिक विधायक सम्मिलित हो रहे हैं।इस वृहद आंदोलन को लेकर तैयारियां जोर शोर से की जा रही हैं।यह पहली बार है जब मंडला में इतनी बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेतागण पहुंच रहे हैं। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने जिले के किसानों से अधिक से अधिक संख्या में इस आंदोलन में सम्मिलित होने की अपील की है।

4 करोड़ से अधिक की बियर पर चला बुलडोजर

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- मंगलवार को 10-30 बजे प्रातः आबकारी अधिकारियों ने सोम डिस्टलरीज एवं ब्रेवरीज लिमि. रोजराचक जिला रायसेन परिसर मै आबकारी अधिकारियो ने आबकारी आयुक्त मध्य प्रदेश ग्वालियर के पत्र क. 5 (4)/2024-25/1/ 199804/2024 ग्वालियर, दिनांक 24.12.2024 के पालन में उपायुक्त आबकारी संभागीय उडनदस्ता भोपाल यशवंत धनोरा द्वारा गठित समिति के सदस्यो के समक्ष इकाई के क्र3 लायसेंस के गोदाम कमांक 21 में संग्रहित सी.एस.बी.सी. रायपुर से 32035 पेटी बीयर एवं सी.एस.बी.सी. बिलासपुर से 22055 पेटी बीयर अर्थात् कुल 54090 पेटी, मानव उपभोग हेतु उपयुक्त न होने पर अविक्रित बीयर के नष्टीकरण की विधिवत् कार्यवाही उपायुक्त संभागीय उडनदस्ता भोपाल द्वारा गठित समिति वंदना पाण्डेय सहायक आबकारी आयुक्त जिला रायसेन, शरद पाठक जिला आबकारी अधिकारी, मे. सोम डिस्टलरीज एण्ड ब्रेबरीज लिमि. रोजराचक रायसेन सदस्य ओमप्रकाश जामोद, सहायक जिला आवकारी अधिकारी संभागीय उडनदस्ता भोपाल - सदस्य गौरव भद्रसेन आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त औबेदुल्लागंज जिला रायसेन प्रीति शेलैन्द्र आबकारी उपनिरीक्षक मे. सोम डिस्टलरीज एण्ड ब्रेबरीज लिमि. रोजराचक रायसेन साधना पटेल राजपूत आबकारी उपनिरीक्षक मे. सोम डिस्टलरीज एण्ड ब्रेबरीज लिमि. रोजराचक रायसेन शैफाली शर्मा आबकारी उपनिरीक्षक मे. सोम डिस्टलरीज एण्ड ब्रेबरीज लिमि. रोजराचक रायसेन एवं आरक्षक की उपस्थिती मे किया गया। नष्टीकृत की गई बीयर की कीमत 42094970/-रू है।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Engineering Department
Notice Inviting e-Tenders

dated 20.01.2025

Online percentage/item rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document (In Rs)	Period of Completion (in Months)	SOR
1	2025_UAD_397146_1	CONST. OF SHED NEAR JHULELAL MANDIR WARD 04 ZONE 01 SANT HIRDARAM NAGAR	385664.00	3857.00	2000.00	02 Months	MPUADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30 A.M. (time) 21.01.2025 (date) to 17:30 P.M. (time) 04.02.2025 (date).

सहायक यंत्री
जोन क्रं.-1 नगर निगम, भोपाल

T.N. 1155/024/025

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/लो.नि.शा./ई./310 बैतूल दिनांक 17/01/2025

//ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना //
(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्रं.	ऑन लाईन निविदा क्रं.	कार्य/ सामग्री का विवरण	कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_396806_1	अवैध कॉलोनी के नियमितीकरण हेतु आवश्यक सर्वेक्षण एवं तकनीकी कार्य हेतु	1- 15 Days	1-2000/- 2-20000/-	03.02.2025

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/nicgep/app की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल

आईआईएम रायपुर ने युवासंगम चरण-5 के तहत असम के लिए छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का किया सफल समन्वय

रायपुर । भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर के सहयोग से भारत सरकार की प्रमुख पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवासंगम चरण-5 के अंतर्गत पांच दिवसीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल के तहत छत्तीसगढ़ के 45 छात्रों को असम में एक व्यापक सांस्कृतिक और शैक्षिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे विविधता में एकता की भावना को प्रोत्साहित किया गया और जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की शुरुआत असम विश्वविद्यालय, सिलचर में गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई, जहाँ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों ने संवादात्मक सत्रों, परिसर भ्रमण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल समापन पर बोलते हुए भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार ककानी ने कहा, यह आदान-प्रदान कार्यक्रम छत्तीसगढ़ और असम के बीच एकता और साझा विकास की भावना का प्रतीक है। दोनों राज्यों के युवाओं को जोड़कर, हम न केवल बंधनों को मजबूत कर रहे हैं बल्कि ऐसे नेतृत्वकर्ता तैयार कर रहे हैं जो हमारे राष्ट्र की विविध सांस्कृतिक विरासत को समझते हैं। भा.प्र.सं. रायपुर ऐसे अनुभवों को सुगम बनाने में प्रसन्नता का अनुभव करता है जो युवा पीढ़ी की सोच को समृद्ध करते हैं।

वोक्हार्ट हॉस्पिटल, नागपुर के न्यूरोसर्जन ने पहली बार दुर्लभ स्पाइन विकार से पीड़ित बच्चे की मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग-गाइडेड सर्जरी की

सतना । नागपुर क्षेत्र में जटिल पेडियाट्रिक स्पाइन विकृति के लिए पहली बार मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग गाइडेड सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जो उन्नत न्यूरोलॉजिकल उपचार में महत्वपूर्ण साबित हुई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने वोक्हार्ट सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, नागपुर को मध्य भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार का प्रमुख केंद्र बना दिया है। एक 3 साल के बच्चे को चलने में कठिनाई और मल/मूत्र पर नियंत्रण खोने की शिकायत के साथ वोक्हार्ट हॉस्पिटल लाया गया। उसके रीढ़ की हड्डी में असामान्य झुकाव (जिसे स्कोलियोसिस कहा जाता है) और दोनों पैरों में ऑर्थोपेडिक विकृति (बायलैटरल क्लब फीट) भी थी। उसकी एमआरआई और सीटी स्कैन से एक जटिल असामान्यता का पता चला, जिसमें रीढ़ की हड्डी दो भागों में विभाजित थी और इसके बीच एक हड्डी की नोक थी और निचले हिस्से में फैटी ट्यूमर था और रीढ़ की हड्डी का निचला सिरा सामान्य से नीचे स्थित था। इस विकृति को डायस्टेमेटोमाइलिया विद हेमिकॉर्ड एंडिंग इनटू कंटिग्यूस डोर्सल लिपोमा एंड टेथर्ड फिलम टर्मिनाले विद फैटी इन्फिल्ट्रेशन कहा जाता है, (यानी डायस्टेमेटोमाइलिया जिसमें हेमीकॉर्ड का अंत सन्निहित पृष्ठीय लिपोमा और फैटी इन्फिल्ट्रेशन के साथ टेथर्ड फिलम टर्मिनल में होता है) जो एक बहुत ही दुर्लभ विकार है।

इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 तथा राज्य में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटरों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ की साझेदारी

लखनऊ, एजेंसी। यात्रा में सहायता प्रदान करने वाले टेक-इनेबल्ड लीडर इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 के दौरान और इसके बाद भी लाखों यात्रियों को यात्रा का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत इंडिया असिस्ट प्रयागराज में महाकुम्भ क्षेत्र में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर (पर्यटन जानकारी केन्द्र) संचालित कर रहा है, साथ ही इस तरह के टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे पर भी स्थापित किए गए हैं। श्री हरीश खत्री, संस्थापक, इंडिया असिस्ट ने इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''भारत विभिन्न अनुभवों और संस्कृति के खजाने का देश है और महाकुम्भ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का अविश्वसनीय संगम है। इस साझेदारी के माध्यम से हम चाहते हैं कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालु आत्मविश्वास के साथ मेले का सहज अनुभव पा सकें। आधुनिक टेक्नोलॉजी और मानवीय सहयोग के साथ हम सुनिश्चित करते हैं कि हर आगंतुक को यात्रा के दौरान हर ज़रूरी मार्गदर्शन और सहयोग मिले।

सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन- सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की प्रेरक कहानी ने शार्क्स को किया प्रभावित!

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया में शांतिलाल जे. सावनी अपने परिवार के सदस्यों, राम और जगरूत के साथ अपनी पारिवारिक विरासत सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन को पेश करने के लिए तैयार हैं। इस पिच में परंपरा और दृढ़ता की झलक मिलेगी। मुंबई में स्थित यह व्यवसाय तीन पीढ़ियों से भारत के सांस्कृतिक धरोहर स्मारकों के संरक्षण में जुटा है। इस ऐतिहासिक सफर की शुरुआत शांतिलाल ने एक साधारण राजमिस्त्री के रूप में की थी। उनके विज़न और कारीगरी को परिवार ने आगे बढ़ाया और आज सावनी परिवार हेरिटेज रेस्टोरेशन समुदाय में सबसे सम्मानित नामों में से एक बन चुका है। सावनी परिवार की महत्वाकांक्षा उनकी विरासत जितनी भव्य है– वर्ष 2030 तक 1,000 स्मारकों को संरक्षित करने का लक्ष्य। पारंपरिक तकनीकों और टिकाऊ सामग्रियों में अपनी महारत के बल पर, उन्होंने अब तक 300 स्थलों का सफलतापूर्वक पुनर्निर्माण किया है, जिनमें मुंबई का प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस भी शामिल है। अपनी प्रोजेक्ट्स की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए वे खुद टाइल्स, ईंटें और अन्य सामग्री तैयार करते हैं। शार्क टैंक इंडिया पर उनका पिच देना वाकई प्रेरणादायक रहा। शांतिलाल जे. सावनी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि शार्क्स के साथ अपनी यात्रा साझा करना उनके लिए बहुत सम्मानजनक था।

राजश्री प्रोडक्शन्स के शानदार ओटीटी डेब्यू बड़ा नाम करेंगे में देखिये प्यार और परिवार की दिल को छू लेने वाली कहानी, 7 से सोनी लिव पर

मुंबई, एजेंसी। राजश्री प्रोडक्शन्स 7 फरवरी को अपने बेहद प्रतीक्षित शो बड़ा नाम करेंगे के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहा है। बड़ा नाम करेंगे' प्यार, परिवार और खुद की खोज करने की एक दिल को छू लेने वाली कहानी है। प्यार के इस खास मौसम में दर्शकों को इस सीरीज में रिश्तों, परंपराओं और सपनों के यादगार जश्न का आनंद उठाने का मौका मिलेगा।मशहूर निर्माता सूरज आर. बड़जात्या इस सीरीज के शोरनर हैं जबकि गुल्लक फेम पलाश वासवानी ने इसका निर्देशन किया है। बड़ा नाम करेंगे शो पुरानी कहानियों को एकदम नए अंदाज में पेश करता है और यह राजश्री प्रोडक्शंस की पारिवारिक फिल्मों जैसी ही गर्मजोशी और भावनाओं से भरपूर है। इस शो में ऋषभ और सुरभि के सफर को देखने का मौका मिलेगा। यह एक जेन ज़ेड कपल है जोकि परिवार के पारंपरिक मूल्यों को अपनाते हुए अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करता है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने क्यू3 एफवाय25 के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। क्यू3 एफवाय25 के लिए शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत की मजबूत वायओवाय वृद्धि के साथ 1,908 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,802 करोड़ रहा। एनआईएम 5.17 प्रतिशत और शुद्ध ब्याज आय 23 प्रतिशत की वायओवाय वृद्धि करते हुए 4,228 करोड़ दर्ज हुई। क्यू3-2025 में जमा की लागत 4.63 प्रतिशत रही, जो क्यू3-2024 में 4.34 प्रतिशत थी। सीआरएआर 166 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि के साथ 21.98 प्रतिशत रहा। क्यू3-2025 के लिए संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 29 बीपीएस वृद्धि के साथ 1.99 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो क्यू3-2024 में 1.70 प्रतिशत था। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.13 प्रतिशत रहा (56 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 0.34 प्रतिशत था। सकल एनपीए 3.57 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69 प्रतिशत था। पीसीआर 99.47 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 99.17 प्रतिशत था।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरे, जानिए अयोध्या राम मंदिर के निर्माण से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

अयोध्या। राम मंदिर के उद्घाटन का आज एक वर्ष पूरा हो जाएगा, जो भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। एक वर्ष पहले, इसी दिन अयोध्या में भव्य राम मंदिर के राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ था, जो ऐतिहासिक उत्सव के बीच संपन्न हुआ था। इस विशेष अवसर पर मंदिर निर्माण की यात्रा और इसके लगातार हो रहे विकास की ओर नज़र डालना जरुरी हो गया है। राम मंदिर निर्माण की यात्रा सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के साथ शुरू हुई थी, जो 9 नवंबर 2019 को आया। इस फैसले ने मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसके बाद से अब तक राम मंदिर का लगभग 80त्र निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, और उम्मीद जताई जा रही है कि मंदिर अगले आठ से दस महीनों में पूरी तरह तैयार हो जाएगा। वर्तमान में, राम लल्ला के स्थान को संतुलित करने वाली भू-तल (क्रद्धश्वश्वहृडुद्य) की प्रतिष्ठा हो चुकी है, जबकि मंदिर के पहले और दूसरे तल का निर्माण कार्य जारी है और मंदिर का शिखर आकार ले रहा है।

निर्माण में चुनौतियाँ और प्रगति

निर्माण के चार वर्षों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। शुरुआत में पाइल फाउंडेशन पर परीक्षण किए गए थे, जिनके तहत मंदिर की संरचना को आकार देने के लिए पाइल्स का उपयोग किया गया था, लेकिन जब इन पाइल्स पर भूकंपीय परीक्षण किए गए, तो वे टूट गए, जिसके बाद योजनाओं में बदलाव किया गया। फाउंडेशन की गहराई 50 फीट तक खोदी गई, और संरचना को स्थिर बनाने के लिए पत्थर की स्लैब लगाई गई। इसके बाद मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ, लेकिन कोरोना महामारी ने कई महीनों तक कार्य

में देरी की। फिर भी, प्रगति निरंतर रही और तीन सालों में भू-तल का निर्माण कार्य पूरा हुआ। 22 जनवरी 2024 को राम लल्ला की प्रतिष्ठा इस स्तर पर हुई। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के अनुसार, मंदिर का निर्माण निर्धारित समयरेखा के अनुसार हो रहा है, और लगभग 80त्र काम पूरा हो चुका है।

राम मंदिर के प्रमुख हिस्सों का निर्माण समयरेखा

मार्च 2025: मंदिर के शिखर का निर्माण

अप्रैल 2025: मंदिर और सात मंडपों का निर्माण पूर्ण

अगस्त 2025: शेषावतार मंदिर का निर्माण पूर्ण

अक्टूबर 2025: परिकोटा (बाहरी दीवार) का निर्माण पूर्ण

राम मंदिर की वास्तुकला का विस्तृत विवरण

राम मंदिर पारंपरिक नागर शैली में निर्माण हो रहा है। मंदिर की डिज़ाइन की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

लंबाई: 380 फीट (पूर्व-पश्चिम), चौड़ाई: 250 फीट, ऊंचाई: 161 फीट, मंदिर में तीन मंजिलें होंगी, प्रत्येक की ऊंचाई 20 फीट होगी, और इसमें कुल 392 स्तंभ और 44 दरवाजे होंगे।

भू-तल: राम लल्ला की मूर्ति स्थित होगी।

पहली मंजिल: श्रीराम दरबार समर्पित होगा, जिसमें पाँच मंडप होंगे: नृत्यमंडप, रंगमंडप, गुहमंडप, प्रार्थनामंडप और कीर्तिनामंडप। दूसरी मंजिल: यहां विभिन्न देवताओं की मूर्तियाँ और आंतरिक सजावट की जाएगी।

राम मंदिर में भक्तों के लिए विभिन्न सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं:

100 फीट चौड़ा राम जन्मभूमि पथ *विशेष रूप से विकलांग भक्तों के लिए व्हीलचेयर और लिफ्ट की सुविधा

मंदिर तक पहुँचने के लिए 32 सीढ़ियाँ

पीने के पानी और छांव के लिए शेड्स

मेडिकल सहायक केंद्र के तहत आधुनिक अस्पताल

अमावा मंदिर में मुफ्त भोजन सेवा राम मंदिर से 100 मीटर दूर स्थित अमावा मंदिर में श्रद्धालुओं को तीन बार मुफ्त भोजन सेवा प्रदान की जाती है। श्रद्धालुओं को आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र दिखाकर इस सेवा का लाभ उठाया जा सकता है। प्रतिदिन लगभग 10,000 से 15,000 श्रद्धालुओं को भोजन प्रदान किया जाता है।

राम मंदिर का भविष्य: निर्माण समयरेखा और चुनौतियाँ: निर्माण कार्य में कुछ श्रमिकों की कमी के कारण चुनौतियाँ आई हैं, लेकिन इन समस्याओं के समाधान के लिए अतिरिक्त श्रमिकों की मांग की गई है। मंदिर के शिखर का निर्माण मार्च 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। राम मंदिर में कुल 9,250 मूर्तियाँ लगाई जाएंगी, जिनमें से प्रत्येक मूर्ति एक ही शिल्पकार द्वारा तैयार की जा रही है, ताकि कलात्मकता में समानता बनी रहे।

राम मंदिर के एक साल का महत्वपूर्ण क्षण

22 जनवरी 2024 को राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा के एक साल पूरा होने के इस ऐतिहासिक पल में राम मंदिर की निर्माण यात्रा न केवल मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया को दर्शाती है, बल्कि यह पूरे दुनिया के हिंदू समुदाय की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक भी है। आने वाले वर्षों में इस भव्य परियोजना के पूर्ण होने के साथ भारत और वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए यह एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मील का पत्थर साबित होगा।

7 लाख कर्मचारियों की ई-कुंडली की तैयारी, एक क्लिक में सामने होगा सारा रिकॉर्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार राज्य के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की ई-कुंडली तैयार करने की तैयारी में जुटी है। यह ई-कुंडली जल्द ही तैयार हो जाएगी। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के कर्मचारी अधिकारियों की एक बड़ी समस्या दूर होगी। इसके पूरा हो जाने से कर्मचारियों-अधिकारियों को अपने सर्विस रिकॉर्ड से जुड़ी तमाम जानकारी देखने के लिए परेशान नहीं होना होगा।

इसके बाद कर्मचारी अपना पूरा सर्विस रिकॉर्ड मोबाइल और कम्प्यूटर पर आसानी से घर बैठे देख सकेंगे। राज्य सरकार प्रदेश के सभी कर्मचारी अधिकारियों का सर्विस रिकॉर्ड डिजिटल करने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग में इसकी प्रक्रिया चल रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही कर्मचारियों को इसकी सौगात मिल जाएगी। प्रदेश के कर्मचारियों की सर्विस रिकॉर्ड की तमाम जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा तैयारी की जा रही है।

अभी प्रदेश के सभी कर्मचारी अधिकारियों का पूरा सर्विस रिकॉर्ड संबंधित विभाग के मुख्यालयों में होता है। पिछले सालों में सरकारी दफ्तरों में हुई आगजनी की घटनाओं में कई कर्मचारी अधिकारियों का पूरा सर्विस रिकॉर्ड जल गया था। भोपाल के फूड एंड ड्रग कंट्रोलर के संयुक्त नियंत्रक कक्ष में लगी आग में कर्मचारियों का रिकॉर्ड भी खाक हो गया था। इसके बाद विभाग को फिर से रिकॉर्ड तैयार कराना पड़ा। इस तरह की कई और भी घटनाएं हो चुकी हैं।

यह फायदे होंगे ई-कुंडली से

कर्मचारियों की ई-कुंडली तैयार होने से कर्मचारियों और विभाग को बड़ी राहत मिलेगी। इससे कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़े तमाम दस्तावेज, उनकी पोस्टिंग, पदोन्नति, शिकायत, विभागीय जांच, सजा और वेतन- भत्तों से जुड़ी तमाम जानकारी एक क्लिक पर अधिकारी के सामने होगी। जरूरत पड़ने पर संबंधित कर्मचारी और विभाग को फाइलें नहीं पलटानी होंगी। संबंधित कर्मचारी को भी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने होंगे। कर्मचारियों का पूरा रिकॉर्ड सामान्य प्रशासन विभाग के 'ह्यूमन रिसोर्स पोर्टल' पर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे संबंधित कर्मचारी को रिकॉर्ड देखने के लिए ई-मेल आईडी की तरह आईडी और पासवर्ड दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के मुताबिक इस पर काम चल रहा है। अगले एक माह में कर्मचारियों का रिकॉर्ड पोर्टल पर आ जाएगा।

सिंगापुर के एनआरआई छतरपुर में लगाएंगे फ्रूड प्रोसेसिंग प्लांट

छतरपुर। बुंदेलखण्ड खासकर छतरपुर के लिए एक अच्छी खबर निकलकर सामने आई है। यहां सिंगापुर के एनआरआई सुरेश अग्रवाल 30 एकड़ भूमि पर फ्रूड प्रोसेसिंग प्लांट लगाएंगे। इस प्लांट के अस्तित्व में आ जाने के बाद लगभग 200 लोगों को प्रत्यक्ष और 3 हजार से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। एनआरआई सुरेश अग्रवाल ने गत दिवस अपनी इस वृहद योजना से कलेक्टर पार्थ जैसवाल को जब अवगत कराया तो उन्होंने भी इस योजना के लिए शासन की ओर से भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया। मूलत: राजस्थान के रहने वाले सुरेश अग्रवाल पिछले 32 सालों से सिंगापुर में रहकर व्यापार कर रहे हैं। उनका कारोबार भारत से लेकर सिंगापुर, अफ्रीका, लेटिन अमेरिका तक फैला हुआ है। उन्होंने कोविड के बाद भारत में भी व्यापार को गति देने की योजना बनाई और बुंदेलखण्ड की सौंधी सुगंध उन्हें छतरपुर तक खींचकर ले आई। एनआरआई सुरेश अग्रवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि बुंदेलखण्ड के लोग बहुत प्यारे हैं। मैंने यहां हर कीमत पर बड़े निवेश की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि जिस फ्रूड प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना करने का निर्णय उन्होंने लिया है उसमें फेंचफ्राई, आलू का आंटा और आलू से बने विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

किसानों को देंगे प्रशिक्षण: सिंगापुर के कारोबारी सुरेश अग्रवाल बताते हैं कि वे यहां के किसानों को आलू उत्पादन से जुड़ी विभिन्न उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण देंगे। किसान अपने खेतों में अधिक से अधिक आलू की पैदावार कैसे करें इसके लिए उन्हें उन्नत किस्म के बीज और खाद उपलब्ध कराई जाएगी। जरूरत पडने पर उनकी जमीन का परीक्षण कराया जाएगा और आवश्यकतानुसार जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। श्री अग्रवाल बताते हैं कि किसान जो आलू पैदा करेगा उनकी कंपनी सीधे उनके खेतों से एग्रीमेंट कर पूरा माल खरीदेगी जिसकी उन्हें अच्छी कीमत भी मिलेगी।

एपीएफबीसी को फ्लिपकार्ट 'समर्थ' पार्टनर के रूप में जोड़ा जाएगा

गुवाहाटी एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने असम प्रोजेक्ट ऑन फॉरेस्ट्स एंड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन (एपीएफबीसी) के साथ मिलकर एक ओरिएंटेशन एवं ऑनबोर्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का लक्ष्य एपीएफबीसी द्वारा बनाए गए क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) एवं स्वयं सहायता समूहों को फ्लिपकार्ट 'समर्थ' प्रोग्राम के बारे में महत्वपूर्ण इनसाइट्स एवं जानकारियां प्रदान करते हुए सशक्त करना, इस प्रोग्राम से उद्यमियों को मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करना, उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का लाभ उठाने में सक्षम बनाना और देशव्यापी बाजार तक पहुंच प्रदान करना है। एपीएफबीसी को समर्थ पार्टनर के रूप में जोड़ा जाएगा, जिससे उत्पादों की बिक्री करते हुए इससे संबद्ध स्वयं सहायता समूहों और सीएलएफ के लिए आजीविका के अवसर सृजित होंगे। वर्कशॉप का आयोजन गुवाहाटी, असम के अरण्य भवन में 20 जनवरी को किया गया। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण पर फोकस किया गया। इस वर्कशॉप के दौरान असम प्रोजेक्ट ऑन बायोडायवर्सिटी एंड फॉरेस्ट्स कंजर्वेशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री अनुराग सिंह, असम प्रोजेक्ट ऑन डायवर्सिटी एंड फॉरेस्ट्स कंजर्वेशन के एक्टिविटी डायरेक्टर श्री सनी देव चौधरी, फ्लिपकार्ट के अधिकारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

फील्ड ट्रिप के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत हुए बच्चे

किड्जी स्कूल के बच्चों ने किया बैंक, थाना, पोस्ट ऑफिस, नगर पालिका, संग्रहालय का किया भ्रमण

मण्डला/अजीत पटेल--जिले में संचालित किड्जी प्ले स्कूल सिविल लाइन्स मंडला ने नन्हे विद्यार्थियों के लिए एक मनोरम फील्ड ट्रिप का आयोजन किया,इस अभियान का उद्देश्य नन्हें बच्चों को समुदाय सहायक एवं पब्लिक सेक्टर की आवश्यक जानकारी के साथ व्यापक बनाना,स्कूली शिक्षा के साथ हमारी दैनिक गतिविधियों में इन विभागों के योगदान से अवगत कराना रहा।स्कूली शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया।

इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया में विजिट के दौरान ब्रांच मैनेजर रत्नेश सिंघई ने बच्चों को बैंकिंग गतिविधियों की जानकारी दी।यहां पर हमारे खाते में रकम जमा करना,रकम निकालना,एफडी आदि हमारे रोजाना की दिनचर्या में बैंकिंग के महत्व को समझाया।यातायात विभाग के भ्रमण करने के दौरान एस.आई.देवेंद्र परवार ने बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए सुरक्षित जीवन के लिए इन नियमों के आवश्यक पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक जानकारियां दी गई।थाना कोतवाली के भ्रमण के दौरान थाना नगर निरीक्षक शफीक खान के निर्देशन में बच्चों को थाने के लॉकर,शिकायत दर्ज कराने के संबंध में आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। बढ़ते क्राइम से सतर्क रहने के लिए आवश्यक तथ्य बताए गए।पोस्ट ऑफिस में विजिट के दौरान पोस्ट मास्टर मंजूलता धूमकेती की मौजूदगी में बच्चों को डाक पत्र के महत्व,मेल से संबंधित आवश्यक जानकारियां एवं पोस्ट ऑफिस के आवश्यक कार्यों की जानकारी दी गई जो कि हमारी दिनचर्या में शामिल है।इसके पश्चात नगर पालिका मंडला में फायर शाखा में डायल 101 के संबंध में जानकारी दी गई, किसी स्थान पर आग लगने,विभाग को सूचित करने से लेकर आग बुझाने तक की मौजूद गतिविधियों के माध्यम से अवगत कराया गया।पुरातत्व विभाग के

भ्रमण के दौरान बच्चों को विभागीय संबंधी जानकारी से अवगत कराया और यहां पर रखी प्राचीन कलाकृतियों एवं उसके संबंध में जानकारी दी गई।

फील्ड ट्रिप ने न केवल बच्चों के ज्ञान को बढ़ाया बल्कि टीम वर्क और सामाजिक संपर्क को भी बढ़ावा दिया।फील्ड ट्रिप के संचालन में डायरेक्टर निशांत शुक्ला,स्कूल प्राचार्या शालिनी शुक्ला एवं एकेडमिक को ऑर्डिनेटर राशि पमनानी एवं स्कूल प्रबंधन का विशेष योगदान रहा।

विवाह में फेरे की जगह रील बनाने में बिता रहे समय, इसलिए हो रहे तलाक: संत-पुजारी

संतों ने विवाह संस्कार और सात फेरों के महत्व को समझाने की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही दांपत्य जीवन में विकृतियों की शुरुआत होने की चिंता व्यक्त की। साथ ही, समाज सेवा और धार्मिक स्थल प्रबंधन की आवश्यकता पर चर्चा की।

भोपाल के हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में संतों को सम्मानित किया गया। इस दौरान हिंदुओं के संत समाज ने सनातन समाज के विवाह संस्कार को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा है कि आधुनिकता का प्रभाव समाज में गहरी छाप छोड़ता नजर आ रहा है। जहां एक ओर शादी के मंडप में फेरों और मंत्रोच्चार के समय जल्दबाजी की जा रही है, वहीं दूसरी ओर वरमाला के दौरान फोटोशूट, नृत्य, और संगीत पर घंटों खर्च किए जा रहे हैं। यह मुद्दा मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ के स्थापना दिवस पर उठाया गया, जहां संतों और विद्वानों ने इस प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि ऐसे व्यवहार से दांपत्य जीवन में विकृतियां आ रही हैं, जिससे विवाह संस्कार का

असल महत्व खो रहा है।

विवाह संस्कार का एक अहम हिस्सा सात फेरों और सात वचनों का पालन करना है, जिन्हें वर और वधु को गंभीरता से समझाना चाहिए। संतों का कहना है कि यदि शादी के इन महत्वपूर्ण पहलुओं को बिना समझे पार किया जाता है तो जीवन के मूल्यों को सही से नहीं अपनाया जा सकता। पं. एएस रामनाथन ने बताया कि विवाह संस्कार जल्दबाजी में नहीं होने चाहिए और इस दौरान संस्कारों का महत्व समझाना आवश्यक है।

संत वैभव भटेले ने विवाह संस्कार के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यज्ञोपवीत संस्कार विवाह के साथ नहीं, बल्कि 12 वर्ष की आयु से पहले करना चाहिए। इसके अलावा, पं. राकेश चतुर्वेदी और पं. दिलीप शास्त्री ने गर्भाधान संस्कार के महत्व को रेखांकित किया और इसके लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता बताई। इस पर पं. नरेंद्र दीक्षित ने कहा कि संत पुजारी संघ इस दिशा में संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करेगा।

संतों ने ब्राह्मण समाज की एकता को मजबूत करने के साथ-साथ सनातन संस्कृति की रक्षा के प्रयासों को तेज करने की अपील की। पं. राजौरिया ने एक संतान को समाज और देश सेवा के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। इस दिशा में संतों और पुजारियों ने समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

संतों और पुजारियों ने कार्यक्रम में देव स्थान उत्थान बोर्ड और हिंदू धार्मिक स्थल प्रबंधन बोर्ड बनाने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने मंदिरों के पुजारियों के मानदेय में वृद्धि की मांग की और जिन पुजारियों को मानदेय नहीं मिल रहा है, उन्हें जल्द से जल्द दिए जाने की अपील की।

हमारे न्यूज़लेटर की सदस्यता लें! विशेष ऑफ़र और नवीनतम समाचार प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति बनें

सहकारी बैंक एवं समिति कर्मचारियों को मुख्यालय में रहने के सख्त निर्देश

छिंदवाड़ा। कार्यालय कलेक्टर छिंदवाड़ा के सभा कक्ष में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के विभिन्न विकासात्मककार्यों की आयोजित समीक्षा बैठक दिनांक 17 जनवरी 2025 को कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक महोदय द्वारा समस्त बैंक/समिति के कर्मचारियों को अपने मुख्यालय में निवास करने के सख?त निर्देश दिये गये है। तत्संबंध में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छिंदवाड़ा के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ए. के. जैन ने प्रधान कार्यालय से आदेश जारी करते हुये बैंक मुख?यालय/ शाखा/समिति के समस्त कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपनेनियत/ निर्दिष्ट मुख्यालय में निवास सुनिश्चित करते हुये बैंक कर्मचारी प्रधान कार्यालय को एवं समिति कर्मचारीशाखा प्रभारी/समिति प्रशासक को प्रतिमाह अपने मुख्यालय में निवास का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। आदेश में यह भी लेख किया गया है कि बैंक/समिति सेवानियम अनुसार नियत/ निर्दिष्ट मुख्यालय में निवास नहीं करना कदाचार की श्रेणी में आता है जो दण्डनीय है। अतएव यह पाये जाने पर कि कर्मचारी बिना सक्षम अधिकारी कीअनुमति/स्वीकृति के मुख्यालय में अनुपस्थित है। तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक, सेवानियम अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी। उल्लेखनीय कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री शीलेन्द्र सिंह द्वारा बैंक के विकासात्मक कार्यों की प्रगति में पिछड़ी शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं समितियों के प्रशासकों को ऋण वितरण अमानत वृद्धि ऋण वसूली में प्रगति लाने के कड़े निर्देश दिये गये है।

छात्राओं ने चलाया कन्हरगांव जलाशय में स्वच्छता अभियान

छिंदवाड़ा। राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता कौशल के निर्देशन एवं ईको क्लब प्राभारी डॉ. नीलिमा बागडे के मार्गदर्शन में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रकृति भ्रमण एवं वैटलेण्ड संरक्षण अभियान के अन्तर्गत आर्द्रभूमि की भूमिका एवं महत्व के दृष्टिगत उसके संरक्षण के बारे में जागरूक करने हेतु महाविद्यालय की 30 छात्राओं का एक दल कन्हरगांव जलाशय पहुंचकर उन्होंने स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत जलाशय के आस-पास पायी गई प्लास्टिक पन्नी एवं अन्य प्लास्टिक सामाग्री को एकत्र कर जलाशय के आस-पास के एरिया की साफ-सफाई की एवं जलाशय में मत्स्य पालन की विस्तृत जानकारी से अवगत हुई। मत्स्य पालन विभाग निरीक्षक मोनिका सिंह ने छात्राओं को मत्स्य पालन कृषि व्यवसाय का योगदान एवं उससे अर्थिक लाभ प्राप्त करने के उपायों के बारे में विस्तार से समझाया। यह कार्यकम पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन के सहयोग से एवं भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय के निर्देशानुसार 02 फरवरी वैटलेण्ड संरक्षण दिवस के उपलक्ष में यह आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढचढ कर भाग लिया और अपने जलाशयों एवं नदियों को बचाने का संकल्प लिया।

संत पुंजारी संघ ने मप्र स्थापना दिवस मनाया

छिंदवाड़ा। भोपाल में म. प्र. संत पुजारी संघ का स्थापना दिवस बड़े ही धूम धाम से मनाया गया जिस में प्रदेश के सभी पदाधिकारी सम्मलित हुए 16 संस्कारों पर चर्चा हुई तथा सनातन धर्म के लिए सभी ब्राह्मण संकल्पित हुए इसी सरखला में छिंदवाड़ा जिले के सभी पदाधिकारी भोपाल में उपस्थित हुये टीम छिंदवाड़ा को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए परशुराम ब्राह्मण समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री विष्णु राजोरिया जी एवं म. प्र. संत पुजारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष प. नरेन्द्र दीक्षित द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मनित किया गया

सांसद के प्रयासों से अब होगा कैंसर मरीज का इलाज

प्रधानमंत्री ने सांसद विवेक साहू के अनुरोध पर कैंसर मरीज को दी 3 लाख की आर्थिक सहायता

छिंदवाड़ा। सांसद विवेक साहू के प्रयासों से कैंसर की बीमारी से पीडित सिहोरामाल झिलमिली विकासखंड चौरई के निवासी जय कुमार पिता ज?गी का इलाज हो सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद विवेक साहू के अनुरोध पर केंसर के मरीज को 3 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। उल्लेखनीय है कि जय कुमार के परिजनों ने सांसद विवेक साहू से मुलाकात करके आर्थिक रूप से कमजोर जय कुमार जो कि कैंसर की बीमारी से पीड़ित है, जिसका इलाज नागपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है,उसकी जानकारी दी थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए सांसद श्री साहू ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र प्रेषित करके कैंसर से पीड़ित जय कुमार के इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उक्त मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल ही 3 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी है। उक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर सांसद बंटी विवेक साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। वही आर्थिक सहायता दिलाने पर कैंसर से पीड़ित जय कुमार और उसके परिचनों ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

निशांत भूरिया डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित

छिंदवाड़ा। जिले के पातालकोट निवासी निशांत भूरिया को MPPSC के तहत डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित होने पर बधाई। इस पद पर चयनित होने वाले निशांत भारिया जनजाति के पहले व्यक्ति हैं। उनकी उपलब्धि जनजातीय वर्ग के युवाओं के लिए प्रेरणा है। हार्दिक शुभकामनाएँ।

जिला अस्पताल के प्रति जिम्मेदार नहीं है डाक्टर

चिकित्सालय के 16 डॉक्टर थे गायब, डीन के औचक निरीक्षण में खुली पोल, मिला कारण बताओ नोटिस

छिन्दवाड़ा। 20 जनवरी को अधिष्ठाता, मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में विभिन्न विभागों जैसे मेडिसिन, ईएनटी, आईसीयू वार्ड, एवं गायनिक ओपीडी में तैनात चिकित्सक अपने निर्धारित कार्य स्थल पर सुबह 9 बजे अनुपस्थित पाए गए। इस दौरान ओपीडी में मरीजों को परामर्श के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जबकि किसी भी वरिष्ठ चिकित्सक ने जिम्मेदारी संभालने की पहल नहीं की। गायनिक वार्ड का निरीक्षण करने पर भी वहां किसी वरिष्ठ चिकित्सक की उपस्थिति नहीं पाई गई।

इस घटना को गंभीरता से लेते हुए, सिविल सर्जन एवं मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने संबंधित चिकित्सकों से तुरंत स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि पूर्व में भी चिकित्सकों को कार्य में लापरवाही के लिए कई बार निर्देशित किया गया है, लेकिन कार्यशैली में कोई सुधार नहीं देखा गया। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि यदि चिकित्सकों द्वारा समय पर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया, तो अनुपस्थिति को दर्ज करते हुए वेतन कटौती की कार्रवाई की जाएगी।

स्पष्टीकरण के दायरे में आने वाले चिकित्सकों की सूची इस प्रकार है- 1. डॉ. बसंत शर्मा 2. डॉ. महिपति यादव 3. डॉ. मनीष गठोरिया 4. डॉ. कृति शर्मा 5. डॉ. सुशील दुबे 6. डॉ. रवि टांडेकर 7. डॉ. निर्णय पांडे 8. डॉ. नरेंद्र हनोते 9. डॉ. कंचन दुबे 10. डॉ. श्वेता पाठक 11. डॉ. हर्ष साहू 12. डॉ. हितेश रामटेके 13. डॉ. संजय जैन 14. डॉ. रंजना टांडेकर 15. डॉ. अश्विनी नारनौरे 16. डॉ. सुचिता नायक जिला प्रशासन ने मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए संबंधित चिकित्सकों को समय पर उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का पालन करने की हिदायत दी है।

छिंदवाड़ा जिला भाजपा अध्यक्ष

प्रदेश के नये अध्यक्ष बनने के बाद होगी घोषणा?

दो-तीन दिन में घोषणा नहीं हुई तो बाद में होगी घोषणा

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। भाजपा संगठन चुनाव में छिंदवाड़ा के जिले के अध्यक्ष का नाम अभी घोषित नहीं हुआ है, बताया जाता है कि यदि 2-3 दिन में घोषणा नहीं हुई तो फिर नये प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद घोषणा होगी, तब तक होल्ड में रखा गया है। छिंदवाड़ा के अलावा नरसिंगपुर, इन्दौर, इन्दौर ग्रामीण एवं निवाणी की घोषणा बाकी है।

बताया जाता है कि छिंदवाड़ा में पेच टीकाराम चन्द्रवंशी व शेषराव यादव के बीच फंसा हुआ है। टीकाराम चन्द्रवंशी के लिए सांसद विवेक साहू एवं शेषराव यादव के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सागर की सांसद श्रीमती लता वानखड़े व भाजपा का पुराना गुट लगा हुआ है, टीकाराम चन्द्रवंशी के समर्थक सांसद विवेक साहू है, इसीलिए पुरानी भाजपा एकत्र हो गई है, रोज दिल्ली एवं भोपाल में इनकी शिकायतें हो रही है।

शेषराव यादव के जिलाध्यक्ष रहते भाजपा ने सांसद एवं अमरवाड़ा के विधायक चुने गये है। इसीलिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शेषराव यादव शुभंकर कहा है। शुभंकर शेषराव यादव भाजपा के पुराने कार्यकर्ता है, पूर्व मुख्यमंत्री सुन्दरलाल के पटवा के चुनाव में भी सक्रिय थे और पहली भाजपा के प्रत्याशी सुन्दरलाल पटवा भाजपा के सांसद बने थे। जिला भाजपा के अध्यक्ष की अभी तक घोषणा न होना चर्चा का विषय है, बताया जाता है, सांसद बंटी साहू के पक्ष में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी.शर्मा है, उनका पूरा प्रयत्न है कि विवेक साहू का अध्यक्ष बने।

जिला अध्यक्ष बनने की चर्चा अब आम हो गई है, लोगों की उत्सुकता है कि कब जिलाध्यक्ष की घोषणा होगी, छिंदवाड़ा की चर्चा दिल्ली तक है दोनों ही नेता दिल्ली तक जोर लगा रहे है।

यदि अभी घोषणा नहीं होती तो नये अध्यक्ष के चुनाव एवं कार्यकारिणी बनने के बाद घोषणा होगी जिसमें एक से दो माह तक लगेगा, भाजपा नेताओं का कहना है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव 25 जनवरी तक हो जावेगा।

हर तरफ चर्चा है कि किसे जिलाध्यक्ष का ताज पहनाया जाता है, आम जन, कार्यकर्ता एवं नेता जोर लगा रहे हैं।

जिला भाजपा महामंत्री के खिलाफ ग्रामीणों ने की नारे बाजी

यदि काई चुनाव लड़ता है तो उसकी पूरी कुण्डली विरोधियों के नाम चल रहे है, उनकी शिकायतें रोज हो रही है। टीकाराम चन्द्रवंशी भाजपा के जिला महामंत्री है एवं प्रबल दावेदार है, आज उनके खिलाफ अमरवाड़ा के कुछ लोगों ने जमीन को लेकर सांसद विवेक साहू को ज्ञापन दिया और नारे बाजी की टीकाराम चन्द्रवंशी एवं विवेक तेरी ताना शाही नहीं चलेगी

छबि खराब करने की प्रयासः टीकाराम

जिला भाजपा के महामंत्री टीकाराम चन्द्रवंशी ने बताया कि मेरी राजनैतिक छबि खराब करने विरोधियों ने ग्रामीणों बरगलाया और नारे बाजी की है। जबकि मेरा उस जमीन से कोई संबंध नहीं है और न कभी वहां गया, मेरी छबि खराब करने विरोध यह षडयंत्र रच रहे है।

पुलिस लाइन में डॉक्टर द्वारा सड़क सुरक्षा एवं सीपीआर प्रशिक्षण

छिंदवाड़ा। पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक महोदय की गरिमामय उपस्थिति में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विवांता हॉस्पिटल से आई प्रसिद्ध डॉक्टर सुष्मित हकीम सर द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देने का सही तरीका, हेलमेट के महत्व और सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

डॉ. सुष्मित ने बताया कि दुर्घटना के समय त्वरित और सही प्राथमिक उपचार घायल व्यक्ति की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने सीपीआर देने का व्यावहारिक प्रदर्शन किया और सभी उपस्थित पुलिसकर्मियों को इसे सही तरीके से करने का अभ्यास कराया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सेमी रिटर्न पोजिशन (घायल व्यक्ति को सुरक्षित स्थिति में रखने की तकनीक) का उपयोग करना चाहिए, जिससे घायलों को स्थिर रखा जा सके।कार्यक्रम में हेलमेट पहनने की अनिवार्यता और उसके महत्व पर भी जोर दिया गया। डॉक्टर ने कहा कि हेलमेट न केवल दुर्घटना के समय सिर की चोटों को रोकता है, बल्कि यह जीवन बचाने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें हेलमेट न पहनने के कारण होती हैं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने इस प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना है, बल्कि नागरिकों की जान बचाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी है। इस तरह के प्रशिक्षण पुलिसकर्मियों को सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी तरीके से कार्य करने में सक्षम बनाते हैं। इस अवसर पर यातायात विभाग और पुलिस लाइन के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी बताते हुए इसे अपने कार्यक्षेत्र में उपयोग करने की प्रतिबद्धता जताई।प्रशिक्षण का उद्देश्य न केवल पुलिसकर्मियों को सड़क दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया देना सिखाना था, बल्कि आम जनता को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

जनसुनवाई में 113 आवेदकों की समस्यायें सुनी

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गनिर्देशन में अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 113 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्माननिधि की राशि दिलाने, छात्रवृत्ति दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी।

म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. की बैठक

सौंसर। सौंसर संभाग में खुशियाल शिववंशी अधीक्षण अभियंता(संचा-संधा), छिन्दवाड़ा, श्री अखिलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता एवं विभागीय आधिकारियो के साथ माननीय जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई जिसमें विभागीय विकास कार्यों की समीक्षा की गई जिसमें अधीक्षण अभियंता(संचा-संधा) श्री खुशियाल शिववंशी व्दारा आर.डी.एस.एस योजना केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में प्रस्तावित प्रणाली सुदृढ़ीकरण कार्यों यथा ट्रांसफार्मर क्षमता वृध्दि एवं अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापना, फीडर विभक्तिकरण, क्षतिग्रस्त विधुत पोल तथा कंडक्टर को बदलकर उनके स्थान पर नये पोल तथा केबल आदि लगाने के कार्यों को प्राथमिकता से कराए जाने की जानकारी दी गई। समीक्षा बैठक में पी.एम. सूर्य घर सोलर रुफटाप मुफ्त बिजली योजना तथा शासन से प्राप्त होने वाली सबसिडी के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। वर्ष 2024-25 में कार्य योजना में सम्मलित कार्यों की भी जानकारी देकर यथा-शीघ्र पूर्ण करवाने की जानकारी दी गई। समीक्षा बैठक में जनप्रतिनिधियों व्दारा सुझाए गए कार्यों को भी आगामी प्रस्तावों में समाहित करने तथा यथाशीघ्र पूर्ण कराने हेतु कहा गया जिसमे अधीक्षण अभियंता छिन्दवाड़ा द्वारा उक्त कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु आश्वत किया गया। बैठक में माननीय विधायक श्री विजय रेवनाथ चौरे, श्री संदीप मोहोड जिला अध्यक्ष भाजपा एवं जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती सुरेखा इन्दरचंद डागा नगर पालिका अध्यक्ष सौसर, श्री संजय भूते जनपद पंचायत सौसर, श्री संदीप घाटोड़े अध्यक्ष नगर परिषद् मोहगांव , श्रीमती नीलिमा पाटिल जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती अरुणा कैलाश चौधरी अध्यक्ष नगर परिषद् पिपला नारायणवार एवं विभागीय आधिकारियो में श्री खुशियाल शिववंशी अधीक्षण अभियंता(संचा-संधा), छिन्दवाड़ा, श्री अखिलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता सौसर एवं आधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित थे। अंत में सभी माननीय जनप्रतिनिधियों की उपस्तिथि हेतु बैठक में आभार व्यक्त किया गया।

छिन्दवाड़ा में पहली बार हो रहा लक्षचण्डी महायज्ञ

29 जनवरी को होगी दिव्य शोभायात्रा

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में पहली बार काली रात धाम लिंग बायपास रोड में 29 जनवरी से 7 फरवरी तक श्री लक्षचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है यज्ञ की रूपरेखा और यज्ञ में आने वाले प्रमुख संतों के बारे में होटल अन्नपूर्णा में आयोजन समिति ने पत्रकार वार्ता में जानकारी दी।29 जनवरी को निकलेगी शोभा यात्रा 30 से यज्ञ होगा प्रारंभ।श्री रामानुजाचार्य सनातन सेवा समिति के सदस्यों ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि मानव की मनोकामना पूर्ति के लिए छिंदवाड़ा जिले में पहली बार श्री लक्ष चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है यह यज्ञ कलयुग का अश्वमेध यज्ञ के सामान है इस यज्ञ में यश कीर्ति वैभव संपन्नता विवाह योग्य संतान प्राप्ति व्यापार उन्नति शासकीय रोजगार मुकदमों में विजय कृषि संपन्नता बच्चों का उज्जवल भविष्य रोग मुक्ति कर्ज मुक्ति नशा मुक्ति सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए किया जाता है।दिव्य संतों की होगी मौजूदगी।श्री रामानुजाचार्य सनातन सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ राजकुमार चौरे ने बताया कि इस यज्ञ में संसद भवन में सेंगोल की स्थापना करने वाले परमाचार्य स्वामी श्री अंबालावन देसिका जी दादा गुरु श्री भैया जी सरकार यज्ञ सम्राट डॉक्टर प्रेम नारायण जी शास्त्री की मौजूदगी रहेगी।

एक दिन भी मनोकामना कुंड लेकर भक्त कर सकते हैं यज्ञ।यज्ञ में धार्मिक सहयोग राशि के लिए किसी को अगर नवग्रह कुंड में 9 दिनों तक बैठना है तो 51000 उपकुंड में 31000 रुपए स्वतंत्र कुंड में ?21000 और संयुक्त कुंड में 11000 रुपए की सहयोग राशि दी जा सकती है इसके साथ ही किसी व्यक्ति को अगर सिर्फ एक दिन यज्ञ में बैठना है तो मनोकामना संयुक्त कुंड लेकर ?2100 की सहायता राशि दे सकता है।छिंदवाड़ा सांसद रहेंगे मुख्य अतिथि विजय सोनम बॉन्ड होंगे मुख्य यजमान।आयोजन समिति ने बताया कि यज्ञ में मुख्य अतिथि छिंदवाड़ा पांढुर्णा के सांसद विवेक बंटी साहू होंगे इसके साथ ही मुख्य यजमान की भूमिका में विजय नारायण राव बोंडे और उनकी धर्मपत्नी सोनम विजय बोंडे होंगे प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विशेष सहयोगी नरेंद्र साहू भाजपा के वरिष्ठ नेता राजू नरोटे रामानुजाचार्य सनातन सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ रामकुमार चौरिया कोषाध्यक्ष डॉक्टर मनीष रघुवंशी उपाध्यक्ष एनके मालवीय उपस्थित रहे।

सहकारी बैंक एवं समिति कर्मचारियों को मुख्यालय में रहने के सख्त निर्देश

छिन्दवाड़ा। कार्यालय कलेक्टर छिन्दवाड़ा के सभा कक्ष में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के विभिन्न विकासात्मककार्यों की आयोजित समीक्षा बैठक दिनांक 17 जनवरी 2025 को कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक महोदय द्वारा समस्त बैंक/समिति के कर्मचारियों को अपने मुख्यालय में निवास करने के सख?त निर्देश दिये गये है। तत्संबंध में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छिन्दवाड़ा के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ए. के. जैन ने प्रधान कार्यालय से आदेश जारी करते हुए बैंक मुख?यालय/ शाखा/समिति के समस्त कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपनेनियत/ निर्दिष्ट मुख्यालय में निवास सुनिश्चित करते हुये बैंक कर्मचारी प्रधान कार्यालय को एवं समिति कर्मचारीशाखा प्रभारी/समिति प्रशासक को प्रतिमाह अपने मुख्यालय में निवास का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। आदेश में यह भी लेख किया गया है कि बैंक/समिति सेवानियम अनुसार नियत/ निर्दिष्ट मुख्यालय में निवास नहीं करना कदाचार की श्रेणी में आता है जो दण्डनीय है। अतएव यह पाये जाने पर कि कर्मचारी बिना सक्षम अधिकारी कीअनुमति/स्वीकृति के मुख्यालय में अनुपस्थित है। तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक, सेवानियम अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी। उल्लेखनीय कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री शीलेन्द्र सिंह द्वारा बैंक के विकासात्मक कार्यों की प्रगति में पिछड़ी शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं समितियों के प्रशासकों को ऋण वितरण अमानत वृद्धि ऋण वसूली में प्रगति लाने के कड़े निर्देश दिये गये है।

रेलवे में यात्री सुविधाओं का विस्तार.

फुट ओवर ब्रिज का निर्माण से यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और स्टेशन पर आवागमन सुगम

छिंदवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के 08 रेलवे स्टेशन में यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा औरस्टेशन पर आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से 08 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण सफलतापूर्वकपूरा कर लिया गया है ये एफओबी संबंधित स्टेशनों के प्लेटफॉर्म नंबर 01 और 02 को जोड़ते हैं,जिससे यात्री अधिक सुरक्षित और सुगम तरीके से आवागमन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त मंडल के अंतर्गत मुड़हीपार रेलवे स्टेशन पर एफओबी का विस्तार कर इसे सभी प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। इस महत्वपूर्ण विस्तार से यात्रियों की सुरक्षा में वृद्धि होगी औरप्लेटफॉर्म पर भीड़भाड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। साथ ही इस प्रयास से दुर्घटनाओं कीसंभावना में भी कमी आएगी।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा छिंदवाडा - नैनपुर खंड के झिलमिली स्टेशन पर21.11 मीटर, नागपुर-दुर्ग रेल खण्ड के राजनांदगांव स्टेशन पर 60.00 मीटर, नागभीड़-चांदाफोर्ट रेल खंड के राजोली स्टेशन पर 25.60 मीटर, छिंदवाडा-इतवारी रेल खंड के लोधीखेडा स्टेशन पर 30.42 मीटर, रामाकोना स्टेशन पर 30.42 मीटर व भीमालगोंडी स्टेशन पर 25.60 मीटर, गोंदिया-नैनपुर रेल खंड पर चारेगाँवस्टेशन पर 30.50 तथा बालाघाट-नैनपुर रेल खण्ड पर नगरवाडा स्टेशन पर 25.00 मीटर लंबा एफओबी का निर्माण कार्य पूर्ण किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लगातार उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। एफओबी निर्माण और विस्तार कार्य यात्रियों को न केवल सुरक्षित आवागमन का अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि उनका यात्रा अनुभव भी पहले से अधिक सुगम बनाएगा। यह प्रयास रेलवे की ओर से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और उनके यात्रा अनुभव को संतोषजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे प्रशासन यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें आधुनिक एवं सुरक्षित सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

नौवीं बार 92.44 प्रतिशत वेटेज स्कोर के साथ ग्रुप में पहले पायदान पर छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय एवं उनकी टीम के द्वारा प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत मुलाकात कर शिकायतों का निराकरण किया गया ग्रुप में प्रथम स्थान अर्जित करने पर पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पाण्डेय ने जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), समस्त थाना प्रभारी एवं शिकायत शाखा टीम पुलिस अधीक्षक कार्यालय छिंदवाड़ा की प्रशंसा की हैं।

मुख्यमंत्री म के द्वारा प्रदेश में चलाई जा रही बहुआयामी योजना सीएम हेल्प लाइन 181 के तहत समस्त शासकीय विभागों में आमजन को समय पर सहायता न मिलने की स्थिति में आमजन सीधे सीएम हेल्प लाइन नंबर 181 पर शिकायत कर अपनी समस्या बता सकता है। उक्त शिकायतकर्ता के द्वारा की गई शिकायत को संबंधित विभाग को ट्रांसफर कर उसे जल्द से जल्द निकाल हेतु संबंधित लेवल 01 अधिकारी के पास भेजी जाती है। जिसका वरिष्ठ कार्यलयों द्वारा सुपरविजन किया जाता है। इसी प्रकार पुलिस से संबंधित शिकायतों का पूरा लेखा जोखा पुलिस कार्यालय में भी रखा जाता है, जिसमें पुलिस अधीक्षक महोदय अजय पाण्डेय एवं उनकी टीम के द्वारा प्रत्येक शिकायत का बारीकी से अवलोकन किया गया, साथ ही प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत मिलकर उनकी बताई समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप जिला छिंदवाड़ा माह दिसम्बर 2024 में सीएम हेल्प लाइन के निराकरण में पुलिस अधीक्षक छिन्दवाड़ा के कुशल नेतृत्व के कारण शिकायतकर्ताओ की सीएम हेल्प लाइन शिकायतों का निराकरण कर संतुष्टि पूर्वक बन्द कराने में ग्रुप में लगातार नौवीं बार प्रथम स्थान पर रहा हैं। इस अवधि के दौरान माह दिसम्बर 2024 की 695 शिकायतें प्राप्त हुई थी। जिनमें से 684 शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर अब तक की रिकॉर्ड कार्यवाही की गई हैं। यह उल्लेखनीय हैं कि जिले के 02 थानों के द्वारा 100त्न (शत प्रतिशत) एवं अन्य थानों ने 91त्न से अधिक कुल वेटेज स्कोर प्राप्त किया हैं। 695 शिकायतों में से 30त्न मारपीट संबंधी शिकायत, 13त्न आपसी विवाद की शिकायत, 13त्न परिवारिक विवाद की शिकायत, 15त्न जमीनी विवाद की शिकायत, 8त्न आपसी लेनदेन की शिकायत, 7त्न महिला संबंधी शिकायत, 4त्न गुम शुदा संबंधी शिकायत व अन्य शिकायतों का निराकरण किया गया हैं। इस माह लेवल 01 की 695 में 684 शिकायत लेवल 2 की 10 में से 08 शिकायतें और लेवल 3 की 91 में से 24 शिकायतों का निराकरण किया गया हैं। उक्त उपलब्धि प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी एवं प्रभारी शिकायत शाखा पुलिस कार्यालय छिंदवाड़ा एवं टीम की प्रशंसा की तथा उनके उत्साहवर्धन हेतु उन्हें नगद राशि से पुरस्कृत किया जाता हैं।

डॉ. पवन नेमा को भिषक प्रवीण पुरस्कार

छिंदवाड़ा। भिषक प्रवीण पुरस्कार एक अखिल भारतीय पुरस्कार है यह उन लोगों को दिया जाने वाला सम्मान पुरस्कार है जिन्होंने आयुर्वेद और क्षारसूत्र के क्षेत्र में नवीन, विशेष कार्य, आयुर्वेद-क्षारसूत्र चिकित्सा को बढ़ावा देना, विशेष योगदान, और सामाजिक कार्य और उत्कृष्ट संगठनात्मक कार्य किया है। यह पुरस्कार पंजाब राज्य के नेचुरल डेज़ वेलनेस की ओर से आयुर्वेद में उल्लेखनीय कार्य, प्रचार-प्रसार करने वालों को दिया जाता है। छिंदवाड़ा के डॉ. पवन नेमा को पिछले 13 वर्षों से ग्रामीण इलाकों में रह रहे मरीजों और आयुर्वेद और बवासीर, भागंदर, फिशर आदि में क्षारसूत्र और औषधीय चिकित्सा में अभिनव कार्य कर रहे हैं, साथ ही 13 वर्षों से पुष्य के महीने में निःशुल्क चिकित्सा प्रदान करते रहे हैं प्रत्येक श्रावण सोमवार को नेमा क्षारसूत्र संस्थान में विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ रोगियों की देखभाल के लिए जटिल रोग पर एक निःशुल्क शिविर भी आयोजित किया जाता है। इस रोगी देखभाल के साथ-साथ, उन्होंने विभिन्न विषयों पर सभी भारतीय और वैश्विक आयुर्वेद कार्यशालाओं में भाग लिया है। आप पतंजलि हरिद्वार से प्रशिक्षण प्राप्त 13 वर्षों का अनुभव रखते हैं 7000 से अधिक जटिल रोग से संबंधित रोगियों की सफलता पूर्व चिकित्सा कर चुके है।आप पूर्व मेडिकल ऑफिसर सिंधु हॉस्पिटल उल्हास नगर (मुंबई), सेठ मनुलाल हॉस्पिटल, अनंत हॉस्पिटल (जबलपुर) इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड होल्डर, ऑल इंडिया आर्युवेद फैडरेशन से आयुर्वेद गुरू सम्मान एवं रक्षा मंत्रालय, आयुष मंत्रालय नई दिल्ली से योगाचार्य पुरूस्कार से सम्मानित हैं

भोपाल में आज सायबर सायक्लाजी पर कान्फ्रेंस शुरू हुई।

भोपाल। गुरूबख्श की तलैया स्थित राम मंदिर में आज अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर विशेष आरती की गई।

आरएसएस मुसलमानों का विरोध नहीं करता

आईआईएम के डायरेक्टर संजय द्विवेदी से बातचीत

संजय द्विवेदी आईआईएम के डायरेक्टर पूर्व महानिदेशक और माखन लाल पत्रकारिता यूनिवर्सिटी के वॉयस चांसलर भी रह चुके हैं। वह आरएसएस के समर्थक और हिन्दू विचारवादी हैं। आरएसएस स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने वाले हैं उसको लेखा संगठन की विचार धारा राजनीति में दखल जे कुछ मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया कि आरएसएस की स्थापना क्यों हुई इसका क्या उद्देश्य है। संघ का राजनीति से संबंध देश में योगदान, समाज में किए गए कार्यों पर खास चर्चा की गई।

सवाल – आर एस एस को सो वर्ष पूर्ण होने वाले हैं लेकिन जनता पूरी तरह से स्वीकार क्यों नहीं कर पर हो है।

उत्तर –आर एस एस केकड़ों साल पूरे हो रहे है यह एक सांस्कृतिक संगठन है। प्रत्यक्ष रूप से स्वयं सेवकों ने काम किया है उससे देश का स्वरूप बदला है।संगठन सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहआ है। वनवासी क्षेत्रों में, गंदी ओर मलिन बस्तियों में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे है। संघ एक विचार है राष्ट्र भावना में विश्वास करता है, उनसे प्रेरित होकर लोगों ने क्षेत्रों में काम कम किया है। देश में कहीं भी आपदा या दुर्घटना होती हैं उसमें सबसे ज्यादा भागीदारी आर एस एस की रहती है। इन कारणों से संघ को विरोधी है वह आलोचना करते हैं। अपना राजनीतिक लाभ लेने के लिए कुछ पार्टियां संच को गालियां देने का काम करते हैं।

प्रश्न – आरएसएस में दो विचार धाराएं चलती हैं। गोडसे को ओर गोलवलकर की ।

उत्तर – आर एस एस का गोडसे से कोई लेना देना नहीं है। आर एस एस के सदस्यकसुबह तीन काम करते हैं सबसे पहले वह देश के महापुरुषों के साथ ही महात्मा गांधी जी का स्मरण करते हैं। कुछ राजनीतिक दल राजनीतिक लाभ लेने के लिए गोडसे का नाम लेते हैं। जहां तक सावरकर जी की बात है उन्हें बहुत कम लोग समझ सके है उनको पढ़ा जाना ओर समझ जाना शेष है। उनके साथ अन्याय हुआ है। सावरकर के विचार क्या हैं। उनका संवाद महात्मा गांधी से नेहरू से सुभाष चंद्र बोस भी है। समाज सुधारक एक आंदोलनकारी एक महान लेखक, क्रांतिकारी हैं। जिसे कला पानी भेजा गया उन पर सवाल उठाए जाते हैं। जिनके आग श्रद्धा से सर झुक जाना चाहिए उनका अपमान करते है। सावरकर जो प्रक्षणेके किताबें आई है उनको पेडेनजेक्टो आपने आप श्रद्धा सेक्सर झुक जाएगा।

सवाल – राहुल गांधी जी का कहना है कि किसी भी यूनिवर्सिटी का वॉयस चांसलर बना हो तो आरएसएस से हो?

उत्तर –किसी भी संगठन को बदनाम करने के लिए ऐसी बात कह सकते हैं। आरएसएस नियुक्तियां नहीं करता है आरएसएस राजनीतिक संगठन नहीं है। आरएसएस पद की दौड़ में नहीं है वह तो राष्ट्र का निर्माण करना चाहता है। आरएसएस की इच्छा है कि प्रशासनिक ओर राजनीतिक क्षेत्र सामाजिक काम को संभाले, आरएसएस नियुक्ति करता है करवाता हैं मैं इस बात से सहमत नहीं हूं।

सवाल –क्या आरएसएस मुस्लिम विरोधी संगठन है।

उत्तर– आरएसएस ने मुसलमानों का कभी विरोध नहीं किया है न ही मेरी जानकारी में है।आरएसएस के मानने वालों एक संगठन बन रखा है राष्ट्रीय मुस्लिम मंच। संघ चाहता है कि लोग देश को सर्वोच्च माने देश सबसे पहले है। संघ कोई हिन्दु सेवक संघ नहीं है।

सवाल – बीजेपी के बड़े नेता सब सब आरएसएस के हैं या आरएसएस के लोग बीजेपी में जा चुके हैं।

उत्तर– बीजेपी एक राजनीति का संगठन है बहुत सारे लोग दूसरे राजनीतिक दलों से भी आते है। उस समय आरिफ विज्वजो सोशलिस्ट पार्टी से आते है वह भी बीजेपी में रहे और अध्यक्ष भी बने। वह भोपाल ओर बैतूल से भी संसद रहे। भारतीय जनता पार्टी में समाजवादी विचार धाराओं के लोग भी आए। राजनीतिक दल किसी एक विचार धारा से काम नहीं करते वह तो सिर्फ कुर्सी के लिए काम करते हैं। राजनीतिक के लोग किसी भी पार्टी में जैसाकट उनको लाभ मिलने चाहिए उनका विचार रहता है हमें पद मिलेगा विधायक सांसद तब ही हम समाज सेवा करेंगे। ओर जो स्वयं सेवमबाजक या सामाजिक संगठन है उन्हें किसी भी पद की आवश्यकता नहीं होती है। राजनीतिक कार्यकर्ता का विचार पद का हो सकता है लेकिन सामाजिक संगठन का विचार पद नहीं होता।

सवाल – प्रधानमंत्री , नितिन गडकरी, अमित शाह और योगीबजी यह सब आरएसएस के ध्वज को प्रणाम करते हैं। आरएसएस केशध्वज को प्रणाम करने के पीछे क्या सिद्धांत हो सकतेचैन।

उत्तर –आरएसएस के संस्थापक बलिराम केशव राव हेडगेवार उनको लगा कि देश को खड़ा करना है क्यों यह बहुसंख्यक समाज है और वह एकजुट होगा और राष्ट्रीय भावना के साथ काम करेगा। इसलिए उन्होंने आरएसएस संगठन की स्थापना की ओर उसकी ध्वजा को भगवा रंग दिया क्योंकि भगवा रंग देवताओं का प्रतीक भी है। इसलिए भगवा ध्वज ही शाखाओं पर लगाया जाता है और यह मानते हैं कि भवजाज को प्रणाम की तो अपने पूर्वजों को प्रणाम किया।

न्यू मार्केट हनुमान मंदिर में राम दरबार के प्रांगण में दीपक जलाकर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ मनाई जा रही है।

अशोका गार्डन स्थित मनसा देवी मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई।

भोपाल। मेट्रो : 767 करोड़ की लागत से बनेगी मेट्रो ट्विन टनल, ब्लूप्रिंट तैयार

भोपाल। राजधानी भोपाल में मेट्रो प्रोजेक्ट तेजी से प्रगति कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य आकर्षण अंडरग्राउंड ट्विन टनल है, जिसकी लंबाई 1 किलोमीटर होगी। इसके निर्माण में 767 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस टनल का ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया गया है और संभावित स्थानों पर पाइपलाइन, बिजली और अन्य केबल्स का आकलन किया जा रहा है।

निर्माण कंपनिया: कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड और ग्लूमाक को इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दी गई है।

अप और डाउन लाइन- एक टनल से अप लाइन और दूसरी से डाउन लाइन की मेट्रो ट्रेनें चलेंगी। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं.6 की ओर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा।

सुरक्षा और आपातकालीन सुविधाएं: यात्रियों की सुरक्षा के लिए दोनों सुरंगों के बीच क्रॉस पैसेज बनाए जाएंगे। ये पैसेज आग या अन्य आपात स्थिति में यात्रियों को बाहर निकालने के लिए रैम्प की तरह काम करेंगे।

निर्माण की लागत और समयसीमा: एमपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस परियोजना पर 892 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया था, लेकिन यह काम 767 करोड़ रुपए में पूरा किया जाएगा। निर्माण कार्य को 3.5 साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

विशेष भूमिगत हिस्सा: यह भूमिगत टनल सिंधी कॉलोनी स्टेशन के दक्षिण को ऐशबाग क्रॉसिंग स्टेशन के पश्चिम से जोड़ेगी। यह भोपाल मेट्रो रूट का इकलौता भूमिगत हिस्सा होगा। इसमें सीवेज, पानी और ड्रेनेज सिस्टम भी शामिल है।

भोपाल में फिटजी कोचिंग पर लगा ताला, लौटाने हैं 12 करोड़ से अधिक

सेंटर ने पेरेंट्स को फीस वापस करने से किया इनकार

भोपाल। भोपाल की प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान फिटजी के खिलाफ अभिभावकों ने कलेक्ट्रेट और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अखिलेश अग्रवाल ने बताया कि उनका बेटा पिछले चार साल से फिटजी का इंटीग्रेटेड कोर्स कर रहा था। क्लास 9 और 10 सुचारू रूप से चलीं। लेकिन दिसंबर के पहले सप्ताह में जानकारी मिली कि फिटजी कोचिंग बंद हो गई है। इस घटना से लगभग करीब 700 अभिभावकों के पैसे फंस गए हैं।

दूसरी तरफ फिटजी के सेंटर हेड ने एक पत्र जारी कर लिखा है कि उनके हाथ में कुछ भी नहीं है और पेरेंट्स अपनी रकम दिल्ली सेंटर से मांगें। भोपाल सेंटर के संचालक केके पांडे भी इस बारे में बात नहीं कर रहे हैं। बता दें कि देशभर के विभिन्न शहरों में फिटजी की 72 कोचिंग क्लासेस हैं। शिकायत के मुताबिक, हर पेरेंट्स के लगभग 2 लाख रुपए फंसे हुए हैं। कुल मिलाकर यह राशि करीब 12-15 करोड़ तक पहुंचती है। इस मामले ने न केवल बच्चों के भविष्य को खतरे में डाला है, बल्कि अभिभावकों को भी आर्थिक रूप से परेशान कर दिया है।

कलेक्ट्रेट ने कोचिंग सेंटर का गुमास्ता रद्द कर दिया है। प्रशासन की ओर से अभिभावकों को उनके फंसे पैसे वापस दिलाने का आश्वासन मिला है। हालांकि, पुलिस की तरफ से अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। फिटजी के चेयरपर्सन पर 42 करोड़ रुपए गबन का आरोप लगा है। दिल्ली की फिटजी कोचिंग की भोपाल ब्रांच में करीब 700 स्टूडेंट्स के एडमिशन है। प्रति स्टूडेंट डेढ़ से 3 लाख रुपए फीस ली जाती है। उधर, ये मामला भोपाल कलेक्टर तक भी पहुंचा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि कोचिंग सेंटर पर एक्शन लिया जाएझगा। बच्चों की फीस वापस कराने के प्रयास करेंगे।

कोहेफिज़ा क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन का भंडाफोड़, वाहन सहित आरोपी संजय कनाडे पर मामला दर्ज

भोपाल । जिला आबकारी नियंत्रक श्री गोयल ने अवैध शराब परिवहन के एक मामले का खुलासा किया है। इस दौरान आरोपी संजय कनाडे को शराब से भरे वाहन के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 34(1) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

आबकारी विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि कोहेफिज़ा क्षेत्र में एक वाहन के माध्यम से अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए आबकारी टीम ने संदिग्ध वाहन को रोका। तलाशी में वाहन से बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई।

मध्यप्रदेश में 7929 शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ

भोपाल। प्रदेश में शिक्षकों की बड़ी संख्या में भर्ती होने जा रही है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग में कुल 7929 शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इनमें स्कूल शिक्षा विभाग में 7082 और जनजातीय कार्य विभाग में 847 पद शामिल हैं।

इन पदों के लिए परीक्षा 20 मार्च से दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। पहली शिफ्ट सुबह 9 से 11 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। इस परीक्षा में 80 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। आवेदन प्रक्रिया 28 जनवरी से शुरू होगी, जो 11फरवरी 2025 तक चलेगी। अभ्यर्थी 16 फरवरी तक अपने आवेदन कर सकेंगे।

योग्यता की बात करें, तो माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 या 2023 में निर्धारित प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे। संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग और दिव्यांग अभ्यर्थियों को शैक्षणिक योग्यता में 5त्न की छूट दी जाएगी।

माध्यमिक शिक्षक-खेल, संगीत (गायन-वादन) और प्राथमिक शिक्षक खेल, संगीत एवं नृत्य के पद शामिल हैं। वहीं जनजातीय कार्य विभाग में माध्यमिक शिक्षक विषय और प्राथमिक शिक्षक खेल, संगीत एवं नृत्य के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए अनारक्षित अभ्यर्थियों को 500 रुपए व मध्य प्रदेश के मूल निवासी अनुसूचितजाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस और दिव्यांग अभ्यर्थियों को 250 रुपए परीक्षा शुल्क देना पड़ेगा।